@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 23 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 198 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत-साइप्रस के बीच रणनीतिक साझेदारी

अगले पांच वर्षों में निवेश दोगुना करने का लक्ष्य : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिड्स ने शुक्रवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति और उनके डेलिगेशन का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिड्स का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। पीएम ने बताया कि राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिड्स ने पिछले वर्ष साइप्रस में मेरा अत्यंत गर्मजोशी से स्वागत किया था। भारत के प्रति सम्मान दिखाते हुए आपने मुझे साइप्रस के 'सर्वोच्च सम्मान' से सम्मानित किया। पूरी यात्रा के दौरान आपकी आत्मीयता, आपका स्नेह और भारत के प्रति आपका विशेष जुड़ाव हमने बहुत गहराई से महसूस किया। आज आपकी भारत यात्रा हमारी साझा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस की मित्रता बहुत मजबूत है। लोकतंत्र और रूल ऑफ लॉ जैसे मूल्यों में साझा विश्वास हमारी साझेदारी के आधार है। हम सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं। भारत इन सिद्धांतों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है। दोनों देशों के बीच ट्रस्ट बढ़ा है, भारत-यूरोपियन यूनियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से तमाम नई संभावनाएं बनी हैं। इसका लाभ उठाते हुए हम अगले पांच वर्षों में इस निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रख रहे हैं, और इस संकल्प को साकार करने के लिए, आज हम अपने विश्वसनीय संबंधों को एक 'स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के रूप में एलिवेट कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमने वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति और शांति के प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे। हम इस बात पर भी एकमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। भारत और साइप्रस का नाता समय की कसौटी पर बार-बार खरा उतरा है। आज भारत-साइप्रस 'स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' के गठन से हम अपने संबंधों को नया एम्बिशन और नई स्पीड देने जा रहे हैं।

● हम कल्चर और उच्च शिक्षा पर भी एग्रीमेंट्स कर रहें हैं; जिससे दोनों देशों के बीच कल्चरल एक्सचेंज और रिसर्च सहयोग प्रगाढ़ होंगे।

यूपी में बिजली कटौती पर बसपा प्रमुख मायावती ने जताई चिंता

तत्काल जरूरी कदम उठाने की मांग

एजेंसी
लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को भीषण गर्मी के बीच प्रदेश में बिजली कटौती को लेकर चिंता जाहिर की। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से तुरंत उचित कदम उठाने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी वाले राज्य में भीषण गर्मी में बिजली की कम अपूर्ति और कटौती से गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारियों और अन्य करोड़ों मेहनतकश लोगों का जीवन अति-कष्टदायी बना हुआ है। इसको लेकर लोग अपना आक्रोश भी प्रकट कर रहे हैं। इसके साथ ही बसपा प्रमुख मायावती ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि वह बिजली आपूर्ति संबंधी लोगों के कष्ट और परेशानियों को ध्यान में रखते हुए तत्काल जरूरी कदम उठाए।

बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''उत्तर प्रदेश जैसे विशाल आबादी वाले राज्य में भीषण गर्मी के इस मौसम में बिजली की कम आपूर्ति व कटौती आदि की आम शिकायतें और उसको लेकर विशेषकर गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारियों व अन्य करोड़ों मेहनतकश लोगों का जीवन अति-कष्टदायी बना हुआ है तथा इसको लेकर लोग विभिन्न रूपों में अपना आक्रोश भी प्रकट कर रहे हैं, जिसकी चर्चा मीडिया में भी काफी व निरंतर रहती है।''

●''सरकार से अपील है कि वह बिजली आपूर्ति संबंधी लोगों के कष्ट और परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जरूरी उपाय तत्काल सुनिश्चित करे। इसके साथ ही, नए पावर प्लांट आदि के माध्यम से भी आगे के लिए बिजली आपूर्ति की स्थिति को सुधारने का प्रयास करे तो यह व्यापक जनहित में उचित होगा।''

दुर्ग में पारिवारिक विवाद में दो बच्चों समेत दंपति ने की आत्महत्या

दुर्ग। मध्य प्रदेश के दुर्ग जिले के आर्य नगर स्थित एक मकान में पति-पत्नी की लाश फांसी पर लटकी मिली और वहीं दो बच्चों के शव बिस्तर पर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुसाइड नोट के अनुसार दंपति ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने दो बच्चों के साथ आत्महत्या कर की है। मौके पर पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी पहुंच कर जांच पड़ताल कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार गोविंद साहू सुपेला के शेयर ट्रेडिंग फर्म में प्राइवेट जॉब करता है। बीती रात मृतक के परिजनों के पुरी, ओडिशा से आने के बाद साथ में आइस्क्रीम और मिठाई खाने के बाद परिवार सोने के लिए चला गया था।

शाह ने 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना की घोषणा की

●घुसपैठियों को बाहर करने की शून्य-सहिष्णुता नीति

एजेंसी
चंडीगढ़ । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज घोषणा की कि सरकार सीमा पार घुसपैठ के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगी। उन्होंने बताया कि देश की सीमाओं को सील करने और सभी अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक व्यापक स्मार्ट बॉर्डर परियोजना इस वर्ष शुरू की जाएगी। शाह ने कहा कि अवैध प्रवासन जनसांख्यिकीय बदलाव लाने की एक सोची-समझी साजिश है, और सरकार हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे निर्वासित करेगी। विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पदग्रहण समारोह 2026 को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर एक अभेद्य सुरक्षा ग्रिड लागू करेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगले एक वर्ष के भीतर, स्मार्ट बॉर्डर अवधारणा के तहत, बीएसएफ को ड्रोन रडार और उन्नत कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। गृह मंत्री ने बीएसएफ से आग्रह किया कि वह घुसपैठ और पशु तस्करी के मार्गों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए राज्य पुलिस, जिला कलेक्टरों और ग्राम पटवारियों के साथ सीधे समन्वय करके अपने खुफिया नेटवर्क का विस्तार करे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा सरकारों के साथ नीतिगत तालमेल इस सुरक्षा ग्रिड को सुविधाजनक बनाएगा। गृह मंत्रालय जल्द ही इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाएगा। वामपंथी उग्रवाद के उन्मूलन का उदाहरण देते हुए शाह ने कहा, किसी समस्या को नियंत्रित करना सुरक्षा नहीं है; उसे जड़ से खत्म करना ही सही तरीका है।

मान सरकार ने किया साफ: बेअदबी कानून में नहीं होगा बदलाव

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि बेअदबी के खिलाफ बनाए गए 'दि जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026' में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों के खिलाफ इसी कानून के तहत मुकदमे दर्ज होंगे और ट्रायल चलेंगे। सरकार ने यह रुख ऐसे समय में स्पष्ट किया है जब एसजीपीसी, श्री अकाल तख्त साहिब और कुछ सिख संगठन कानून का विरोध कर रहे हैं। विरोध करने वाले संगठनों का आरोप है कि विधेयक तैयार करने से पहले उनसे राय नहीं ली गई और न ही उन्हें विश्वास में लिया गया। कुछ संगठनों ने इसे संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब से दूर करने की साजिश तक बताया है। उधर पंजाब सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, कानून विशेषज्ञों और सिख बुद्धिजीवियों से सलाह के बाद ही कानून तैयार किया गया है। सीएम मान ने कहा कि सरकार किसी दबाव में कानून वापस नहीं लेगी और अन्य राज्यों को भी इसी तरह का कानून बनाना चाहिए। 13 अप्रैल को विधानसभा के विशेष सत्र में यह संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से पारित किया गया था। राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह कानून लागू हो चुका है। कानून में बेअदबी के दोषियों के लिए आखिरी सांस तक उम्रकैद और 25 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

क्रीमी लेयर पर सुप्रीम टिप्पणी

अगली पीढ़ी भी आरक्षण मांगती रहेगी तो इससे बाहर नहीं निकल पाएंगे

'दोनों माता-पिता आईएएस हैं तो आरक्षण क्यों?

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आरक्षण और सामाजिक गतिशीलता के मुद्दे पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। पिछड़े वर्गों में क्रीमी लेयर को मिलने वाले आरक्षण लाभ से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया कि जिन परिवारों ने शिक्षा और आर्थिक रूप से प्रगति कर ली है, क्या उनके बच्चों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

कोर्ट ने पूछे सख्त सवाल

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर दोनों माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं तो फिर उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए?

याचिकाकर्ता ने क्या कहा?

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता शशांक रतनू ने कहा कि लोगों को उनकी सैलरी की वजह से नहीं, बल्कि उनके सामाजिक दर्जे के आधार पर बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप-ए कर्मचारियों को बाहर किया गया है और ग्रुप-बी कर्मचारियों को भी बाहर किया जाता है।

आरक्षण को लेकर कोर्ट ने क्या कहा?

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के साथ सामाजिक गतिशीलता आती है। ऐसे में अगर अगली पीढ़ी भी आरक्षण मांगती रहेगी तो समाज कभी इससे बाहर नहीं निकल पाएगा। उन्होंने कहा कि यह भी एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है। जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि छात्रों के माता-पिता अच्छी नौकरियों में हैं, अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके बच्चे फिर भी आरक्षण चाहते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि उन्हें अब आरक्षण से बाहर निकलना चाहिए।

ईडब्ल्यूएस को लेकर क्या की गई टिप्पणी?

अधिवक्ता रतनू ने अदालत से कहा कि इस मुद्दे पर गहराई से विचार किए जाने की जरूरत है और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) व क्रीमी लेयर के बीच अंतर होना चाहिए। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ईडब्ल्यूएस में सामाजिक पिछड़ापन नहीं होता, बल्कि केवल आर्थिक पिछड़ापन होता है। रतनू ने कहा कि इसी वजह से क्रीमी लेयर के मानदंड ईडब्ल्यूएस की तुलना में अधिक उदार होने चाहिए। अगर दोनों को एक समान मान लिया जाएगा, तो दोनों के बीच कोई अंतर नहीं रह जाएगा।

कोर्ट ने कहा- संतुलन बनाए रखना जरूरी

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में नोटिस जारी किया। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि इस मुद्दे में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन अपनी जगह है, लेकिन जब माता-पिता आरक्षण का लाभ लेकर एक निश्चित स्तर तक पहुंच चुके हैं और दोनों आईएएस अधिकारी या सरकारी सेवा में अच्छी स्थिति में हैं, तो सामाजिक गतिशीलता स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ऐसे लोगों को आरक्षण से बाहर रखने के आदेशों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

यूपी के प्रयागराज में 22 मई को दिन का तापमान 45°C से ज्यादा रहा। इस झुलसाने वाली गर्मी के बीच दो मजदूर तसले से सिर ढंकते नजर आए।

प्रचंड गर्मी से तप रहा देश

●कई शहरों में पारा 45 डिग्री के पार, लू की चेतावनी

एजेंसी
नई दिल्ली । देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और कई शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और हालिया हीट इंडेक्स आंकड़ों के अनुसार उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक कई राज्यों में हीट वेव, भीषण हीट वेव, गर्म और उमस भरे मौसम व गर्म रातों को लेकर चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही दक्षिण-पश्चिम मानसून की आगे बढ़ने की स्थिति को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया गया है।

●पंजाब निकाय चुनाव पर बड़ा फैसला

हाईकोर्ट ने खारिज की ईवीएम की मांग वाली सभी याचिकाएं, कहा-अब देर हो गई है

एजेंसी
चंडीगढ़ । पंजाब में निकाय चुनाव बैलेट पेपर से ही होंगे। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने ईवीएम के इस्तेमाल से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने कहा कि अब 26 मई को मतदान होना है। ऐसे में बहुत देर हो चुकी है।

26 मई को होना है मतदान

पंजाब में 105 नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के लिए 26 मई को मतदान होगा। मतदान बैलेट पेपर से करवाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

क्या दी थी दलील

मोहाली निवासी रुचिता गर्ग ने जनहित याचिका दाखिल कर स्थानीय निकाय चुनाव बैलेट पेपर के बजाय ईवीएम से कराने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि चुनाव प्रक्रिया को बैलेट पेपर प्रणाली में वापस ले जाना अव्यवहारिक है। याचिकाकर्ता पक्ष ने कोर्ट को बताया कि पंजाब कानून की धारा 64 में भी स्पष्ट है कि जहां बैलेट बॉक्स या बैलेट पेपर का उल्लेख है वहां ईवीएम को भी शामिल माना जाएगा। अदालत को बताया गया कि पंजाब राज्य चुनाव आयोग अधिनियम की धारा 64 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61-ए लगभग समान हैं। सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि चुनाव प्रक्रिया को फिर से बैलेट पेपर प्रणाली में ले जाने की मांग अव्यावहारिक और अस्वीकार्य है। याची ने दलील दी कि ईवीएम प्रणाली को वर्ष 2002 में कानूनी वैधता मिल चुकी है और इसके बाद अदालतें लगातार इसे बरकरार रखती रही हैं।

क्या कहा हाईकोर्ट ने

अब हाईकोर्ट ने सभी पक्षों से कहा है कि मतदान में केवल चार दिन बचे हैं, सभी तैयारियां हो चुकी हैं। ऐसे में बैलेट पेपर से चुनाव करवाए जाएं। इसी के साथ हाईकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

मध्य प्रदेश के ट्विशा शर्मा मौत मामले की होगी सीबीआई जांच

•सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चर्चित एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ आया है। राज्य सरकार ने इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की सहमति दे दी है। शुक्रवार को राज्य शासन के गृह विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। दरअसल, बीती 20 मई को जब ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा पूर्व सैनिकों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात करने पहुंचे थे, तब मुख्यमंत्री ने उन्हें निष्पक्ष जांच का पूरा भरोसा दिलाया था। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया था कि सरकार पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद करेगी, यहां तक कि यदि कोर्ट दोबारा पोस्टमॉर्टम के आदेश देता है, तो पार्थिव शरीर को दिल्ली एम्स तक पहुंचाने का पूरा जिम्मा भी सरकार उठाएगी। इसके अलावा राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने भी इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की पुरजोर मांग उठाई थी।

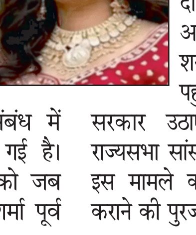

नीति आयोग की रिपोर्ट में चमका छत्तीसगढ़ का उसूर ब्लॉक , देशभर में मिला दूसरा स्थान

एजेंसी
रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नीति आयोग द्वारा जारी आकांक्षी ब्लॉक्स की 'चैंपियनस ऑफ द क्वार्टर' (अक्टूबर-दिसंबर 2025) रिपोर्ट में बीजापुर जिला के उसूर ब्लॉक ने सेंट्रल ज़ोन में पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि राज्य के दूरस्थ और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की एक बड़ी सफलता के रूप में देखी जा रही है। इस ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने आज शुक्रवार को जिले के नागरिकों, जिला प्रशासन और विशेषकर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

मप्र की ऐतिहासिक भोजशाला में वर्षों बाद शुक्रवार को हुई महाआरती, वाग्देवी की प्रतिमा रखकर किया पूजन

एजेंसी
धार। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में लंबे अंतराल के बाद शुक्रवार को हिंदू समाज को सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा-अर्चना का अधिकार मिला है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला पहुंचे और मां वाग्देवी की पूजा-अर्चना की। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब यहां जुमे की नमाज नहीं होगी। जिला प्रशासन ने भोजशाला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने भोजशाला विवाद में गत 15 मई को ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। अदालत द्वारा भोजशाला को मंदिर घोषित किए जाने के बाद आज पहला शुक्रवार है। आज भोज उत्सव समिति ने परिसर में विशेष प्रतिमा स्थापित की है, जिसके दर्शन और पूजन के लिए लोग सुबह से ही पहुंच रहे हैं। भोजशाला में सुबह 9 बजे महाआरती हुई। इसके बाद दोपहर एक बजे पूजन-हवन के लिए भोजशाला परिसर के बाहर ज्योति मंदिर पर हिंदू संगठन के सदस्य इकट्ठा होने लगे। अधिकारियों ने इन्हें हटाने की कोशिश की तो हल्की बहस हो हुई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को ज्योति मंदिर से करीब 50 कदम दूर जाने के लिए कहा। इसके बाद लोग निर्धारित जगह पर इकट्ठा हुए। दोपहर में भोजशाला आंदोलन में जान गंवाने वाले कार सेवकों के परिजन का सम्मान किया गया।

वहीं भोजशाला मामले में याचिका दायर करने वाले कुलदीप तिवारी पहुंचे, जिनका श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। कुलदीप तिवारी ने परिसर से मेहराब और अयातुल्ला कुर्सी हटाने की मांग की है।

नारनौल में पारदी गैंग का एनकाउंटर : सात बदमाश पकड़े गए, दो घायल

-पकड़े गए सभी आरोपी मध्यप्रदेश के निवासी

गुरुग्राम (एजेंसी)। नारनौल में सीआईए (क्राइम इंस्टिगेशन एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग के सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हुड्डा सेक्टर के पास हुई साहसिक मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, इसके बाद उन्हें इलाज के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पखवाड़े भर में हुई एनकाउंटर की दूसरी घटना है, जो एसपी के बदमाशों के खिलाफ सख्त एक्शन को दर्शाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सवा तीन बजे सीआईए को सूचना मिली थी कि यह गैंग नारनौल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाली है। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी नियंत्रित फायरिंग की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मध्य प्रदेश निवासी हैं। इनमें से एक पर 15,000 रुपये और दूसरे पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। करीब एक पखवाड़े पहले यही गैंग भिवानी और महेंद्रगढ़ में रात के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के घर पर हुए हमले की वारदात का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस ने मौके से एक स्वचालित पिस्तौल, देसी कट्टा, कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गुलेलें, सरिया और वायर कटर भी बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों से गहन पूछताछ कर रही है।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी नेताओं पर कार्रवाई तेज, वासूल गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में, टीएमसी मजदूर संघ इकाई के अध्यक्ष शेख वासूल को लोगों को डराने-धमकाने, धोखाधड़ी करने और चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के लाउदोहा इलाके से देर रात छापा मारकर शेख वासूल को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेता वासूल पर नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके लोगों से मोटी रकम वसूलने और इलाके में अपना दबदबा बनने के लिए भय का माहौल पैदा करने का आरोप है। सूत्रों ने दावा किया कि उस पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का दबाव बनाने के आरोप थे, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ा था। गिरफ्तारी के वक्त वासूल ने खुद को निर्दोष बताकर कहा कि वह 15 साल से पार्टी में है और उसके खिलाफ पहले कभी कोई शिकायत नहीं हुई। बताया जाता है कि उसके खिलाफ लंबे समय से कई शिकायतें दर्ज थीं। शुक्रवार सुबह वासूल को दुर्गापुर उपमंडल न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई तब हुई है, जब राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से टीएमसी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की पकड़ मज़बूत हुई है। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो हालिया बड़ी गिरफ्तारियों में से एक थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बोस पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए करीब 150 उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बदले आर्थिक लाभ लेने का आरोप है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उसने कथित तौर पर कई लोगों को नगर निगम में नौकरी दिलाने में मदद करने के बदले फ्लैटों के रूप में अपराध की आय अर्जित की थी। जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि उनसे जुड़े बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा है। बोस को इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, पंजाब सरकार का बड़ा अभियान

चंडीगढ (एजेंसी)। आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरों पर सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद पंजाब सरकार हरकत में आई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की है कि राज्य में बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कल से आवारा तथा खतरनाक कुत्तों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री मान ने इस फैसले के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद भी किया है। सीएम मान के अनुसार, पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर व्यापक कार्रवाई करेगी। इस घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। संबंधित विभागों को तत्काल तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय, जबकि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन तथा पंचायत विभाग मिलकर इस अभियान को अंजाम देगी। यह अभियान सड़कों, राजमार्गों, स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों की मौजूदगी रोकना प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी है। पकड़े गए पशुओं को निर्धारित आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जहाँ उनके लिए भोजन, पानी और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था होगी। शीर्ष अदालत ने संस्थानों को अपने परिसरों की मजबूत घेराबंदी करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण के बाद उन्हें दोबारा उन्हीं परिसरों में न छोड़कर निर्धारित डॉग शेल्टर में रखने का भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चौबीस घंटे गश्त करने वाली विशेष टीमें गठित करने और हेल्पलाइन नंबर वाले बोर्ड लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन का पर्याप्त भंडार रखने तथा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि आदेशों के पालन में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

राहुल गांधी आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे

-केंद्रीय मंत्री ने कहा- वे अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा को महसूस नहीं कर रहे

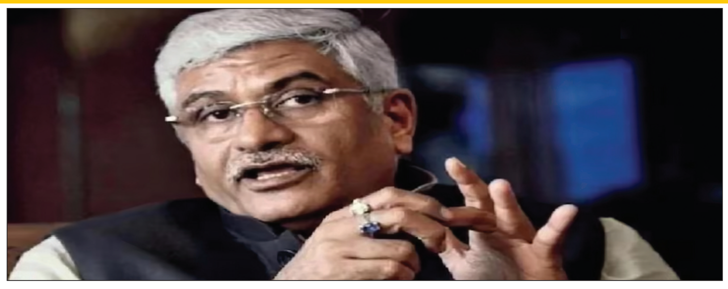

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि वे देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होने और संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठने के बावजूद अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा और उत्तरदायित्व को महसूस नहीं कर पा रहे हैं। शेखावत ने कटाक्ष किया कि बच्चा तो बड़ा हो गया, लेकिन बुद्धि अभी बच्चे जैसी ही बनी है। वे आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आज पूरी वैश्विक व्यवस्था चरमराई हुई है। दुनिया एक टर्बुलेंट जियोपॉलिटिकल सिचुएशन से गुजर रही है। विश्व अब मल्टीपोलर हो चुका है। ऐसे संकट के समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हर देश भारत को अपना पार्टनर बनाने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बेहद सफल यात्रा देश के व्यापक हितों और भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रही है। इस दौरान कटिंग एज टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डिफेंस इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, नॉर्डिक देशों के साथ वॉटर टेक्नोलॉजी और नॉर्वे के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट जैसे बेहद अहम समझौते हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के हितों के संरक्षण के लिए पीएम मोदी का यूनाइटेड अरब अमीरात का दौरा भी रणनीतिक रूप से बहुत अहम था।

शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से उस बालक बुद्धि ने देश के व्यापक हितों से जुड़े इन गंभीर और ऐतिहासिक वैश्विक समझौतों को लेकर भी बचकानी टिप्पणियां कीं। गैर- जिम्मेदाराना बयानबाजी की और देश में एक फॉल्स नैरेटिव खड़ा करने की नाकाम कोशिश की। शेखावत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी से जुड़ा एक उदाहरण सामने रखा। उन्होंने याद दिलाया कि जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी श्रीलंका के दौरे पर थे और गार्ड ऑफ ऑनर के समय उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, तब बीजेपी विपक्ष में थी और सदन में बीजेपी के 121 सांसद थे, जो कांग्रेस के मौजूदा 99 सांसदों की संख्या से कहीं बड़े थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद हमने उस हमले को किसी एक दल या नेता पर नहीं, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा और संप्रभुता पर हमला माना था। बीजेपी ने पूरी ताकत के साथ तत्कालीन कांग्रेस सरकार का साथ दिया था और उसकी कड़ी निंदा की थी। भारत में यह परंपरा रही है कि पीएम जब भी देश से बाहर जाते हैं तो सभी दल देश के व्यापक हितों को सर्वोपरि रखते हैं और कभी उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं करते, लेकिन आज राहुल गांधी इस महान परंपरा को मटियामेट कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि देश की जनता अब उनके इस रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। हाल में पांच राज्यों में हुए चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने चार राज्यों में कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी की इसी बच्चा बुद्धि और कमजोर लीडरशिप के कारण कांग्रेस अब सिमटते-सिमटते दक्षिण में सिर्फ केरल और उत्तर में हिमाचल प्रदेश जैसे एक छोटे से राज्य तक ही सीमित रह गई है। शेखावत ने कहा कि जिस तरह की मानसिकता के साथ कांग्रेस की लीडरशिप काम कर रही है, अब तो बस इसी बात का इंतजार है कि जनता कब इन्हें राजनीतिक हाशिए से भी पूरी तरह खत्म कर देगी।

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विधानसभा के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सत्तारूढ़ यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद सदन में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशन और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशन ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राधाकृष्णन ने करीब 17 विभाग संभाले हैं और अपने क्षेत्र के विकास पर लगातार ध्यान दिया है। विजयन ने भी उनके लंबे संसदीय और सार्वजनिक जीवन के अनुभव की तारीफ की और विश्वास जताया कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।

दिल्ली में हर कहीं नहीं दे सकते कुर्बानी

-नहीं माने तो होगी सख्त कार्वाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बकरीद के मद्देनजर दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने पशु कल्याण संबंधी कानूनों का सख्ती से पालन करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सड़कों, गलियों, बाजारों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुर्बानी देने और पशुओं की खरीद-बिक्री करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कुर्बानी केवल सरकार द्वारा निर्धारित वैध स्थलों पर ही की जा सकेगी। विकास मंत्री ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित पशुओं की हत्या या कुर्बानी पर पूरी तरह रोक है।

यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है और ऐसा करने वालों पर सीधे आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विकास मंत्री ने अवैध पशु परिवहन, अवैध कुर्बानी और पशु क्रूरता के मामलों में विशेष निगरानी रखने और कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। सरकार ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि कुर्बानी के बाद कचरे को नालियों और सड़कों पर फेंकने या सीवर में वेस्ट और खून बहाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इससे गंदगी और बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने आम जनता से भी इन नियमों का पालन करने की अपील की है। मंत्री ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति इन गाइडलाइंस का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है, तो नागरिक तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके।

भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, आदेश के बाद पढ़ेंगे नमाज

-अब्दुल समद ने कहा- मुस्लिम समाज ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया

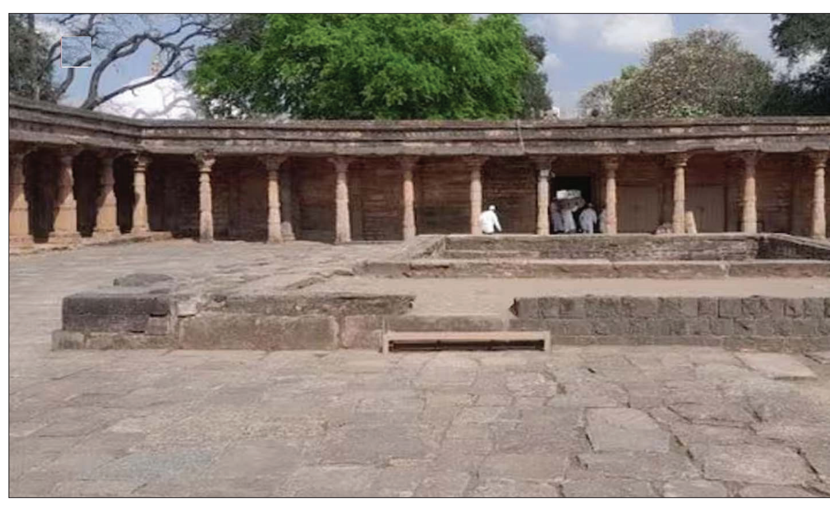

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। हाईकोर्ट ने 15 मई को दिए गए अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मंदिर बताया है। वहीं, इस फैसले के बाद अब मुस्लिम समाज को यहां नमाज पढ़ने की परमिशन नहीं दी गई है। यह पहला शुक्रवार है जब भोजशाला में जुम्मे की नमाज नहीं होगी। इस फैसले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम उठाए हैं। कोर्ट के आदेश के मुताबिक शुक्रवार के दिन हिंदू समुदाय को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है और वे पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। उन्होंने बताया कि जो मुद्दा वे हाईकोर्ट में नहीं उठा सके, उसे अब सुप्रीम कोर्ट के जरिए रखा जाएगा। उनका कहना है कि वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि वहां लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से नमाज शुरू करेंगे। उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। सोसाइटी ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया है और आगे भी इसी तरह शांति बनाए रखेगी। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के इस फैसले को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। समद खान ने कहा कि मुस्लिम समाज न्यायालय के फैसले का सम्मान करता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में एसएलपी दायर कर दी गई है और जल्द ही स्टे मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई नया आदेश नहीं आता, तब तक मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में नमाज नहीं पढ़ेगा और लोग अपने घरों या नजदीकी मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा करेंगे।

वहीं शहर काजी वकार सादिक ने भी कहा कि समाज शांति बनाए रखे और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और वहां से जो भी फैसला आएगा, उसका पालन किया जाएगा। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि भोजशाला एक मंदिर और संस्कृत शिक्षा का केंद्र रहा है। इसके साथ ही परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का नियंत्रण जारी रहेगा। इस फैसले के बाद से क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू

- सिलीगुड़ी में नई सरकार के फैसले से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

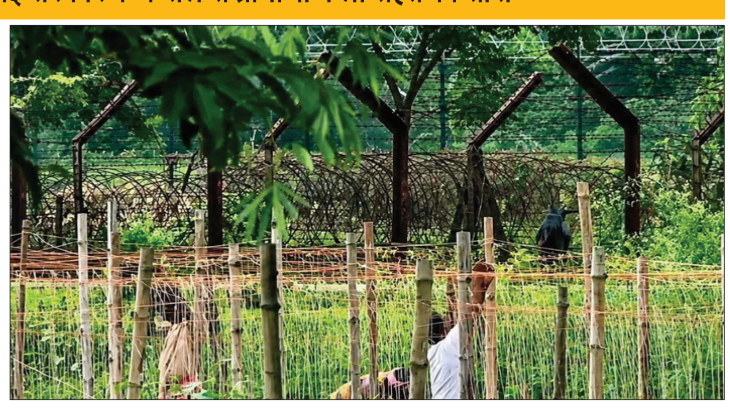

सिकंदराबाद (एजेंसी)। सिलीगुड़ी (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी अनुमंडल के फांसीदेवा क्षेत्र में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली बाड़ (फेंसिंग) लगाने का काम शुरू हो गया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर भूमि के साथ-साथ बॉर्डर आउटपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त जमीन सौंपने के बाद उठाया गया है। इससे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था काफी मजबूत होने की उम्मीद है। इस विकास कार्य से स्थानीय सीमावर्ती निवासियों ने भारी राहत व्यक्त की है। लंबे समय से असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीणों ने इसे एक बड़ा और जरूरी कदम बताया। स्थानीय निवासी अनिल घोष ने कहा, इस सीमावर्ती इलाके में पहले सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी। यहां का माहौल इतना खौफनाक था कि बयां नहीं किया जा सकता। हम मवेशी तक नहीं पाल सकते थे, क्योंकि उन्हें पालने का मतलब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के हवाले करना था। यह सिर्फ बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा का मामला था। आज नई सरकार और नए मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेंगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जमीन देने में सहयोग नहीं किया, जिससे सीमा सुरक्षा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में ही जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया था, जिसे 45 दिनों के भीतर केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दिया जाएगा ताकि बीएसएफ बाड़ लगाने का काम पूरा कर सके।

कॉकरोच जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का मन है : अब्बास अंसारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचल के राजनीतिक गलियारों में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मऊ सदर सीट से विधायक और दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सबको चौंका दिया है। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे अब्बास अंसारी से जब साइकिल के सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें कॉकरोच जनता पार्टी पसंद आ रही है और वह इसी के सिंबल पर चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते अब्बास अंसारी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि एक कॉकरोच पार्टी आई है और वह सोच रहे हैं कि क्यों न उसी से चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस काल्पनिक पार्टी के मुद्दे उन्हें काफी पसंद आ रहे हैं और उनके कई जानने वाले लोग इसमें शामिल भी हो चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हंसते हुए कहा कि अगर यहाँ इसका कोई कार्यालय खुला हो, तो उन्हें भी सदस्यता दिला दी जाए। दरअसल, अब्बास अंसारी ने जिस कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जिक्र किया, वह कोई वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान (डिजिटल मूवमेंट) है, जिसे विदेश में रहने वाले एक भारतीय युवक अभिजीत दिपके ने शुरू किया था। युवाओं के बीच यह अभियान बेहद कम समय में काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी कमलेश बहादुर से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति सौंपी और जिला प्रशासन को अपने क्षेत्र भ्रमण की जानकारी दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचे और जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की। अब्बास अंसारी ने स्पष्ट किया कि अब वह अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही क्षेत्र में उनकी यह सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

जल्द खत्म हो जाएगा पेट्रोल-डीजल? एलपीजी के लिए मचेगा हाहाकार!

-बाबा वेंगा की डरा रही है भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वक्त पूरा विश्व बड़े ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त थी, और अब अमेरिका व ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक तनाव के इस माहौल के बीच, बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की एक कथित भविष्यवाणी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसने आम जनमानस की चिंताओं को बढ़ा दिया है। अतीत में उनकी कई भविष्यवाणियों के सच होने के दावों के कारण लोग इस नई चेतावनी को लेकर भी आशंकित हैं।

इंटरनेट पर चल रहे दावों के अनुसार, बाबा वेंगा ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ी चेतावनी दी थी, जिसके मुताबिक दुनिया को एक भीषण ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में अत्यधिक कमी आने की बात कही गई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका इस डर को और पुख्ता कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीतिक जलमार्ग बाधित होता है, तो यातायात के साधनों में ठहराव आ सकता है।

इस संकट का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसका सीधा असर आम आदमी की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। कई देशों में डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं, वहीं ढाबों और होटलों में जरूरत के मुताबिक गैस सिलेंडर न मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जब तक ईरान-अमेरिका संघर्ष पर विराम नहीं लगता, तब तक वैश्विक सप्लाई चेन का सामान्य होना मुश्किल है। हालांकि, बाबा वेंगा की इन भविष्यवाणियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियां इस संकट को हकीकत में बदलती हुई दिखा रही हैं।

जंगल में मिली बच्चे की खोपड़ी व अवशेष, लापता रिहान के होने की आशंका

मेरठ। सरधना थाना क्षेत्र के नंगला रोड के जंगल में शुक्रवार को बच्चे की खोपड़ी व अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीण ये अवशेष सात माह पहले तांत्रिक क्रिया में मारे गए 11 वर्षीय रिहान पुत्र इमरान के होने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने अवशेष डीएनए टेस्ट के लिए भेज दिए हैं। करीब सात माह पहले नवाबगढ़ी निवासी 11 वर्षीय रिहान का अपहरण हो गया था। इसके एक माह बाद ही गली के ही 15 वर्षीय उवेश पुत्र शकील की तंत्र क्रिया के लिए तांत्रिक असद ने अपहरण कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी असद को गिरफ्तार किया तो उसने तंत्र क्रिया व हत्या की बात को स्वीकार किया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उवेश का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। आरोपी ने उवेश के परिजनों से पांच लाख की फिरौती भी मांगी थी। उसने बताया कि रिहान के भी उसने मारा था। हालांकि आरोपी की निशानदेही पर पुलिस रिहान का शव बरामद नहीं कर पाई। शुक्रवार को जंगल में ग्रामीण पशुओं के लिए घास काट रहे थे। तभी उन्हें वहां पर खोपड़ी व अन्य अवशेष मिले। रिहान के परिजनों ने आशंका जताई है कि ये अवशेष उनके बच्चे के हो सकते हैं। इस संबंध में सीओ सरधना आशुतोष कुमार का कहना है कि देखने में अवशेष किसी बच्चे के लग रहे हैं। जिस स्थान पर खोपड़ी मिली, उसके पास ही रिहान की पैंट मिली थी। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल तांत्रिक असद जेल में बंद है। वह सिद्धि पाने के लिए बच्चों की बलि देता था।

नौकरी नहीं मिली तो लूट की वारदात को दिया अंजाम

नई दिल्ली। मध्य जिला की पुलिस ने दरियागंज से लेकर लाजपत नगर तक करीब 250 सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाश को पकड़ा है। पुलिस ने इसके कब्जे से स्कूटी के साथ लूटा गया मोबाइल भी बरामद किया है। बदमाश की पहचान गर्ग एन्क्लेव, बुराड़ी निवासी मोहम्मद हसन उर्फ एहसान उर्फ बाबू (28) के रूप में हुई है। उस पर पहले से ही नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी से दो मामले सुलझाने का दावा किया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन के मुताबिक, 27 अक्तूबर को आईपी एस्टेट थाने में लूट की शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि आईटीओ के पास स्कूटी पर सवार बदमाश उसका फोन छीनकर भाग गया। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर एक टीम का गठन किया। टीम ने दरियागंज से लेकर लाजपत नगर तक बदमाश के भागने की दिशा में करीब 250 सीसीटीवी फुटेज की जांच की। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे बुराड़ी से पकड़ लिया। पूछताछ में उसने वारदात कबूल करने की बात स्वीकार की। उसने पुलिस को बताया कि वह हाल ही में जेल से बाहर आया था। वारदात को अंजाम देने से पहले कई जगहों पर नौकरी की तलाश की लेकिन जब कहीं पर काम नहीं मिला तो उसने चोरी और लूट करनी शुरू कर दी।

त्विशा शर्मा इससे बेहतर की हकदार थी

नई दिल्ली। 12 मई 2026 की रात, तिवशा शर्मा ने भोपाल से घर फोन किया। माँ से बात हो रही थी, अचानक लाइन कट गई। पिता ने दो घंटे तक कॉल की। किसी ने नहीं उठाया। जब फोन उठा, सास गिरिबाला सिंह ने तीन शब्द कहे- वो अब नहीं रही। तिवशा 33 साल की थी। समर्थ सिंह से शादी को सिर्फ पाँच महीने हुए थे। परिवार का कहना है कि शादी के बाद से ताने शुरू हुए, मई के पहले हफ्ते में जबरदस्ती गर्भपात करवाया गया, और व्हाट्सऐप संदेश यही कहते हैं- मेरी जिंदगी नर्क बन गई है।

पोस्टमॉर्टम की समस्या

यहाँ से मामला और गंभीर होता है। तिवशा का पोस्टमॉर्टम AIIMS भोपाल में हुआ। रिपोर्ट में मौत का कारण एंटीमॉर्टम हैंगिंग बताया गया, यानी फाँसी के वक्त वो जिंदा थी। लेकिन जिस बेल्ट से कथित तौर पर फाँसी लगाई गई, वो पहले पोस्टमॉर्टम के दौरान मौजूद ही नहीं थी। परिवार और उनके वकील ने यह रिकॉर्ड पर कहा है- फाँसी का कथित साधन टेबल पर रखे बिना ही मौत का कारण दर्ज कर दिया गया। बेल्ट की जाँच किए बिना उससे हुई चोटों का दस्तावेज कैसे बन सकता है? वो बेल्ट ऑटोप्सी के दो दिन बाद अस्पताल पहुँची। कमिश्नर संजय कुमार ने इसे चूक कहा। तिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने इसे वही कहा जो यह है- सबूतों से छेड़छाड़। यह कोई छोटी तकनीकी गलती नहीं है। जब मौत का कारण ही विवाद में हो, तो लिगेचर का पोस्टमॉर्टम में अनुपस्थित होना मेडिकल रिकॉर्ड में एक बड़ा खालीपन है। हर फोरेंसिक विशेषज्ञ यही कहेगा कि चोटों के साथ लिगेचर का मिलान बुनियादी जरूरत है, विकल्प नहीं। उसके बिना पूरे निष्कर्ष अधूरे हैं। इसीलिए AIIMS के पाँच डॉक्टरों की टीम का महत्व इतना बड़ा है। ये देश के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान के विशेषज्ञ हैं, जो पहली बार गायब रहे सबूत के साथ ताज़ी नज़रों से जाँच करेंगे। अगर बेल्ट पर मिले निशान पहली रिपोर्ट के निष्कर्षों

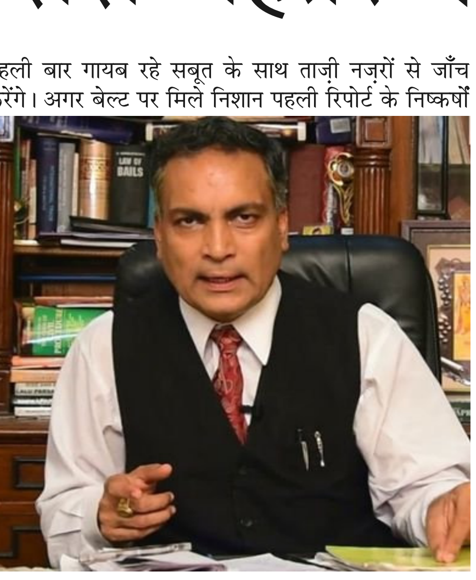

से मेल नहीं खाते, या चोटें नए सवाल उठाती हैं, तो परिवार को पहली बार कुछ ठोस मिलेगा। पहले पोस्टमॉर्टम ने जो सवाल उठाए, दूसरे को उनके जवाब देने होंगे। गिरिबाला सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा तिवशा गाँजे की लती थी। पोस्टमॉर्टम में नशे का कोई निशान नहीं। और फिर भी सेशन्स कोर्ट ने उनकी उम्र 63 साल और पूर्व जज की हैसियत को ध्यान में रखते हुए उन्हें अग्रिम जमानत दे दी। उधर तिवशा के पिता मुर्दाघर के बाहर खड़े थे, बेटी का अंतिम संस्कार करने से इनकार करते हुए।

पासा पलट रहा है

CBI जाँच को मंजूरी मिल गई है। जब एक आरोपी खुद रिटायर्ड जज हो और न्यायिक व्यवस्था की बारीकियाँ जानती हो, तो स्थानीय जाँच पर दबाव सिर्फ शक नहीं, संरचनात्मक हकीकत है। [illegible] के पास वो दूरी और अधिकार है जिसकी इस मामले को हमेशा से जरूरत थी। समर्थ सिंह, जो पत्नी की मौत के दिन से फरार थे, उन्होंने अग्रिम जमानत अर्जी वापस ले ली है और अब पुलिस के सामने समर्पण करेंगे। उन्होंने हाई कोर्ट में दावा किया था कि परिवार के व्हाट्सऐप संदेश संपादित और अधूरे हैं। वही संदेश जिनमें तिवशा ने अपने हाथों लिखा था कि उसकी जिंदगी नर्क बन गई है। अब उन्हें यह सब कानून के सामने कहना होगा।

अभी और क्या होना चाहिए

CBI की जाँच असली होनी चाहिए। हर मैसेज, हर कॉल रिकॉर्ड, हर मेडिकल दस्तावेज की तफ्तीश होनी चाहिए। बेल्ट का फोरेंसिक विश्लेषण होना चाहिए और यह सवाल रिकॉर्ड पर जवाब माँगता है कि वो दो दिन तक कहाँ रही। गिरिबाला सिंह की जमानत, जिसे परिवार ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में चुनौती दी है, को उम्र और पूर्व हैसियत की आड़ में नहीं, तथ्यों के आधार पर परखा जाना चाहिए। तिवशा के भाई आशीष ने सीधे कहा- पिता अदालत गए, कहा गया जमानत नहीं मिलेगी, मिल गई। दूसरे पोस्टमॉर्टम के लिए गए, हाँ मिली, फिर ना मिली, फिर हाई कोर्ट। परिवार कानूनी मैराथन दौड़ रहा है जबकि आरोपी आराम कर रहे हैं। यह अब बंद होना चाहिए। [illegible] आ गई है। [illegible] की टीम भोपाल जा रही है। समर्थ सिंह आखिरकार कानून का सामना करेंगे। अब सच सामने आना चाहिए। वो एक जिंदगी की हकदार थी। सच की हकदार थी। और इंसाफ की हकदार है।

लेखकः डॉ. ए. पी. सिंह,
सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया
के प्रख्यात वकील

मां ने घोंटा तीन साल की बेटी का गला, मर्डर के बाद ताऊ ने निभाया खून का रिश्ता

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपनी ही तीन साल की सौतेली बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मासूम को एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, पीड़ित बच्ची के ताऊ अमित कुमार पुत्र रनवीर सिंह निवासी गांव सोफा खैर अलीगढ़ ने वेव सिटी थाने में अपने भाई की दूसरी पत्नी ज्योति के खिलाफ शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता अमित के अनुसार उनका छोटा भाई नितेश, जो वेव सिटी में ही एक क्रेन ऑपरेटर के रूप में काम करता है, अपने परिवार के साथ वेव सिटी के फ्लैट नंबर 316, ब्लॉक 1, इडब्लूएस में रहता है। नितेश की पहली शादी विनेश नाम की महिला से हुई थी, जिससे उनके दो बच्चे, दर्श 4 वर्ष और वंशिका 3 वर्ष हैं। लगभग डेढ़ साल पहले नितेश ने अपनी पहली पत्नी विनेश को छोड़ दिया, विनेश अब अपने मायके में रह रही है। जिसके बाद नितेश अपनी दूसरी पत्नी ज्योति के साथ रहने लगा। ज्योति से उनकी एक 2 महीने की बेटी अनन्या है। घटना बीते शनिवार 16 मई की है। नितेश दोपहर करीब 2:30 बजे अपनी ड्यूटी पर गए थे, उस समय घर पर उनकी दूसरी पत्नी ज्योति और तीनों बच्चे मौजूद थे। जब नितेश रात करीब 8 बजे ड्यूटी से वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि उनकी 3 वर्षीय बेटी वंशिका मृत अवस्था में पड़ी थी। जब नितेश ने इस बारे में ज्योति से पूछा तो उसने कोई संतुष्ट जवाब नहीं दिया, उसके बाद नितेश ने अपने बड़े भाई अमित को फोन करके बुलाया तो ज्योति से कड़ाई से पूछताछ की, तो ज्योति रोने लगी और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। शिकायत के मुताबिक, ज्योति ने बताया कि वंशिका उसे बहुत परेशान करती थी, जिससे उसने उसका गला दबाकर उसे मार डाला। अमित ने वेव सिटी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। मासूम के ताऊ अमित ने पुलिस को अपने भाई की दूसरी पत्नी ज्योति के खिलाफ मासूम वंशिका की हत्या करने की लिखित शिकायत देकर आरोपी ज्योति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि मासूम के ताऊ अमित की शिकायत के आधार पर आरोपी ज्योति सौतेली मां के खिलाफ हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। एसीपी ने बताया कि मासूम के मेडिकल परिक्षण रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या कर देना, आरोपिया ज्योति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

जल बोर्ड की एलपीएससी माफी योजना का 20 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने उठाया लाभ

नई दिल्ली। दिल्ली जलबोर्ड की लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) माफी योजना का अब तक 20,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है, जिससे करीब 96 करोड़ रुपये की छूट दी जा चुकी है। योजना शुरू होने के बाद से 32.79 करोड़ रुपये की वास्तविक वसूली भी की जा चुकी है। दिल्ली में लगभग 29 लाख पंजीकृत जल उपभोक्ता हैं, जिनमें से 15 लाख से अधिक के खातों पर बकाया राशि है। कुल 16,100 करोड़ रुपये के बकाए में 5,100 करोड़ रुपये मूल राशि है और 11,000 करोड़ रुपये लेट पेमेंट सरचार्ज के रूप में हैं। नई योजना के तहत उपभोक्ताओं को केवल मूल राशि चुकानी है, जबकि सरचार्ज को पूरी तरह माफ किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, अब आने वाले बिल में उपभोक्ताओं को सरचार्ज-मुक्त संशोधित बिल प्राप्त होंगे, तब वसूली और तेज होगी। जल बोर्ड जल्द ही विशेष मार्केटिंग और जनसंपर्क टीम तैनात करेगा जो शहरभर में जागरूकता अभियान चलाएगी। योजना के प्रचार के लिए डीटीसी बसों, मेट्रो, एफएम रेडियो, अखबारों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर विज्ञापन चलाए जाएंगे।

NAME CHANGE
I, Harmeet D/O Palvinder Singh R/O House No-R-586, Street No-5A, Swatantra Nagar, Narela, Delhi 110040 I, Have Changed May name To Harmeet Kaur

NAME CHANGE
I, Lata Arora W/O Rajeev Narang R/O House No-3637, first Floor Near Hanuman Mandir Raja Park Rani Bagh North West Delhi, Delhi 110034 I, Have Changed My Name To Sandhya Narang

NAME CHANGE
I, Nidhi Shah W/O Vishal Shah R/O A-1/96, Rohini Sector-5 Raja Pur kalan North West Delhi, Delhi 110085 I, have Changed My Name To Nidhi Gupta

PUBLIC NOTICE
My Client RAGHUBIR SINGH, S/O LATE HARI SINGH, R/O H.No.22, MG ROAD, GHITORNI VILLAGE, SOUTH DELHI, DELHI-110030, has severed all her relations from his son namely Vikram Solanki & his wife Smt. Bittu, due to their disrespectful behaviour towards my client and debarred them from her moveable and immoveable properties, anybody dealing with them shall deal with their own risk, my client shall not be responsible in any manner whatsoever.
HAMID HAWARI ADVOCATE
CHAMBER NO.302
LAWYERS BLOCK SAKET COURT, NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, DINESH SHARMA S/O RAJKUMAR SHARMA resident of 67 ACHCHARONDA MEERUT UTTAR PRADESH-250103 have changed my name to DINESH KUMAR SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, ANIL KUMAR legal father of RAUSHAN KUMAR R/O PLOT No.154, BLOCK-A GALI No.25, RAJAPURI, NEW DELHI-110059, have changed my minor son's name from RAUSHAN KUMAR to SOMIK KUMAR for all future purposes vide affidavit dated 22/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SATENDER CHAUHAN alias Satyander Singh alias Sikander S/O PRATAP SINGH R/O H.NO 333, CHAUHAN MOHALLA, MADAN PUR KHADAR, Sarita Vihar S.O, DIST: South Delhi, Delhi - 110076, have changed my name and shall hereafter be known as SATENDER CHAUHAN.

NAME CHANGE
I, Sunidhi D/O Dinesh Kumar Sharma resident of HNo. 1544 Street no. 109 Ganesh Pura Tri Nagar Delhi 110035 have changed my name to Sunidhi Sharma for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री पवन रावत, मालिक प्लॉट संख्या 36-B, क्षेत्रफल 107.50 वर्ग मीटर, स्थित सेक्टर/ग्राम खैरपुर गुर्जर, तहसील दादरी, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, जिन्होंने दिनांक 26.04.2022 की लीजहोल्ड अधिकार हस्तांतरण विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति प्राप्त की थी, जिसका दस्तावेज संख्या 15030, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 20672, पृष्ठ संख्या 213 से 242, उप-पंजीयक दादरी, गौतम बुद्ध नगर में दिनांक 26.04.2022 को पंजीकृत है, के संबंध में सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेज, जिनमें आवंटन पत्र दिनांक 20.03.2017, उप-विभाजन पत्र दिनांक 19.01.2022, कब्जा प्रमाण पत्र दिनांक 26.04.2022, लीज डीड (ग्राम आबादी भूमि) दिनांक 22.04.2022, दस्तावेज संख्या 14478, ट्रांसफर मेमोरेंडम दिनांक 26.04.2022, लीजहोल्ड अधिकार हस्तांतरण विलेख दिनांक 26.04.2022, दस्तावेज संख्या 15030, जो श्री अनूप सिंह द्वारा निष्पादित किया गया था गुम हो गए हैं। इस संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या रू हश. 321678/2026 पहले ही दर्ज कराई जा चुकी है। उक्त संपत्ति को श्री नितेश कुमार खरवार / इच्छुक उधारकर्ता को विक्रय किया जाना प्रस्तावित है तथा उक्त संपत्ति का वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति, दावा अथवा अधिकार हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपना लिखित आपत्ति पत्र अधोहस्ताक्षरी को रजिस्टर्ड डाक एवं ई-मेल के माध्यम से प्रेषित करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा अथवा आपत्ति शून्य एवं अमान्य मानी जाएगी।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Mes-373228, Rank-Elect (Retd.), VIJENDER SINGH R/o 347, NAHRA (227), SONIPAT, HARYANA, have changed my son's name from JITENDER to INDERJEET for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NAFEESAW/O RAHIMUDDIN resident of H NO-2913, GALI SAQQAN WALI, CHOWK SHAHGANJ, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to NAFISA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, RAHEEMUDDIN S/O MOHD UMAR resident of H NO-2913, GALI SAQQAN WALI, CHOWK SHAHGANJ, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to RAHIMUDDIN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Suman Yadav in respect of **Second Floor LSH Flat without roof rights, area measuring 25 Sq. yds., on Built-up Free hold Property bearing Plot No. RZ-3A Out of Khasra No, 15/7/1 with all roof/terrace rights, situated in the area of Village Khyala in the abadi of Ravi Nagar Extn, New Delhi-110018**; claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which SMFG India Home Finance Company Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, MEENU NAGPAL W/o Sachin Khaneja R/o A-81, First Floor, Vivek Vihar Phase-2, Jhilmil, Delhi-110095, have changed my name from MEENU NAGPAL to ISHA KHANEJA permanently

NAME CHANGE
I, HARSH DEV S/o Shri Bhagwan Vashist R/o 635, Metro View Apartment, Pocket-B, Sector-13, Dwarka, Delhi-110078, have changed my name to HARSH DEV VASHIST permanently

NAME CHANGE
I, KAMLESH KUMARI W/O Sanjeev Kumar Singh R/o B-34/A, New Heera Park, Near Dichaon Kalan Chowk, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to KAMLESH permanently.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Rohtas Kumar in respect of **Built up Property Land area measuring 60 Sq. yds., i.e. 50.16 Sq. mtrs., Out of Khasra No. 769 min Bearing Property No. 618/B/1K/1, Old No. 618/III/1A Built on Plot No. 17 min in Block No. 5 vide Situated in the abadi of Patel Gali, Pandav road, Vishwas Nagar Illaqa Shahdara Delhi-110032. ("Hereinafter referred as said property");** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, KUMBHAR P B wife of No.15723955Y, Rank-NK Name-KUMBHAR SACHIN NAMDEO unit of EXPERIMENTAL EVALUATION AND TECHNICAL SUPPORT UNIT residing at-VILL-UCHAT, PO-MAAN, TEH-SHAHUWADI, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-415101, have changed my name from KUMBHAR P B to PRATIKSHA SACHIN KUMBHAR for all future purposes vide Affidavit dated 22/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, YAMINI KANSAL W/O AMAN GUPTA resident of H NO-3424 GALI BAJRANG BALI SITARAM BAZAR DELHI CHAWRI BAZAR DELHI-110006 have changed my name to YAMINI GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I,DHARMENDER S/O SHIV PAL SINGH R/O H.NO-220, SURYA NAGAR PHASE 1 SECTOR 91 AMARNAGAR FARIDABAD HARYANA 121003, CHANGED MY NAME TO DHARMENDER SINGH

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Razuli Devi Negi with respect to the notice published in national daily newspaper "Quami Patrika and Sikh Times" dated 14.05.2026, for the lost of Document i.e, Transfer Deed dated 04.10.2016, which was incorrectly mentioned in the news Paper instead of Lease Deed dated 04.10.2016, executed by GDA in favour of Mr. Mahesh Kumar Kheda through his attorney Mr. Satpal Singh Negi in respect of House No.1/18A EWS first floor without roof rights land area measuring 28.56 square mtr.situated at sector 1 Vaishali Ghaziabad U.P. Doc No. 17415 book no. 1 vol no 32408 page no.161- 184 dated 04.10.2016, lost in 9/868, Multani Maa, Delhi, dated 04.05.2019. **FIR was registered for the same in Delhi Police vide LR No. 321906/2026.** This property is mortgaged with SMFG India Home Finance. Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, JC-769999H Rank-SUB MAJOR Name-N DHARMAR legal father of D MADHINSHA residing at- VILL-SIRUGUDI, PO-MARANDAI, TEHSIL-KADALADI, DIST-RAMANATHAPURAM, TAMIL-NADU-623703, have changed my minor daughter's name from D MADHINSHA to MEGA D for all future purposes vide affidavit dated 22/05/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SULAXANA W/O SUDEEP KUMAR resident of C-253, 2ND FLOOR, MAYFIELD GARDEN, GURGAON, GURGAON, HARYANA-122018 have changed my name to SULAXANA SINDHU for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NAZISH D/O RAFIQUE AHMAD residing at G-56/12, OKHLA, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE-II, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that name of my father has been wrongly written as RAFEEQ AHMED in my all educational documents. The Actual name of my father is RAFIQUE AHMAD which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client M/s Ganga Greenland Infratech Pvt. Ltd. in respect of **Flat No. 101, on First Floor built on Plot No. 7, admeasuring 121.5 sq. yds., Plot No. 8, admeasuring 119.5 sq. yds., Plot No. 9, admeasuring 122 sq. yds. and Plot No. 10, admeasuring 124 sq. yds. Part of Khasra No. 3006, Situated at Mansarovar Park, in Village Shahpur Bamheta, Pragana Dasna, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P.** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Aafreen / Aafreen Begum w/o Mohd Javed R/o 3539, Katra Bazar Beg, Kucha Pandit, Lal Kuna, Delhi-110006, have changed my name to Afreen Begum for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Arjun S/o Vijay Pal R/o 92C/138, Aali Village, Near Sarita Vihar, New Delhi-110076 have changed my name to Arjun Rexwal for all future purposes

Public Notice
It is for general information that I, SATENDER CHAUHAN S/O PRATAP SINGH R/O H.NO 333, CHAUHAN MOHALLA, MADAN PUR KHADAR, Sarita Vihar S.O, DIST: South Delhi, Delhi - 110076, declare that name of mine has been wrongly written as SIKANDER in my PAN CARD NO GMXPS2254H. The actual name of mine is SATENDER CHAUHAN,respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि सुश्री लवली शर्मा, संपत्ति संख्या 47 पर निर्मित प्रथम तल (पिछला भाग), बिना छत/टेरेस अधिकार सहित, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज अर्थात 83.61 वर्ग मीटर, जो कुल 200 वर्ग गज क्षेत्रफल में से, खसरा संख्या 58/21 से संबंधित है, स्थित ग्राम हस्तसाल, दिल्ली कॉलोनी, जिसे मोहन गार्डन, ब्लॉक L-2-A, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 के नाम से जाना जाता है, को श्रीमती राधा से क्रय करना चाहती हैं। श्रीमती राधा उक्त तल की स्वामिनी हैं तथा उन्होंने उक्त संपत्ति M/s Rectco-5 Trust से दिनांक 05.03.2026 के सेल Certificate of Sale के माध्यम से क्रय की है। दस्तावेजों की श्रृंखला में स्वर्गीय श्री संत कुमार सिन्हा के नाम से मृत्यु प्रमाण पत्र एवं जीवित सदस्य प्रमाण पत्र पत्र उपलब्ध नहीं हैं। अतः, श्रीमती राधा उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, चार्ज अथवा दावों से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण Aditya Birla Housing Finance Limited, शाखा ह-17, द्वितीय तल, विजया बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
I, Smt. Beena Sharma, w/o Late. Sh.Raj Kumar Sharma R/o. R-888/3 Rajhans apartment, near central bank of India, Mehrauli New Delhi, 110030, hereby declare that our daughter Ms. Sapna Sharma stands disowned and debarred from all family relations and movable/immovable properties with immediate effect. Henceforth, we shall not be liable or responsible for any act, liability, transaction or conduct of Ms. Sapna Sharma, and any dealing with her shall be at own risk and consequences.
PAWAN GUPTA ADVOCATE
CH.NO 673, LAWYERS CHEMBER BLOCK SAKET COURT
NEW DELHI 110017

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public at large that our client Mrs. Hem Lata Arora, W/o Mr. Sudhir Arora, D/o Late Mr. Nanak Chand, is the absolute owner of Freehold Residential DDA Built-up Janta Flat bearing No. 77-B, First Floor, Block-B, Pocket-C, situated in the Layout Plan of Shalimar Bagh Residential Scheme, Shalimar Bagh, Delhi-110088., Initially, Mrs. Narayan Devi Grover, W/o Late Mr. Nanak Chand Grover, was the absolute owner of the aforesaid property by virtue of Conveyance Deed dated 13.12.2018, registered vide Document No. 15603, Book No. 1, Volume No. 6976, Pages 91 to 94, in the office of S.R.-VII, Delhi., Thereafter, Mrs. Narayan Devi Grover expired leaving behind only one legal heir, namely Mrs. Hem Lata Arora, who thereby became the absolute owner of the said property., It is hereby declared that no other person has any right, title, interest, claim or objection whatsoever in respect of the aforesaid property., Further, the said property has been sold to Mrs. Archana Mishra and the purchase has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited, Branch: Moti Nagar, New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public at large that our client, Mr. Praveen Raghav S/o Mr. Vijay Pal Raghav, is the absolute owner and in possession of Freehold Residential Plot No. C-174, admeasuring 450 Sq. Ft., out of Khasra No. 855, situated at Defence Mega City, in the area of Village Mahawad, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh, by virtue of Sale Deed dated 10.06.2019, registered as Document No. 11658, in Book No. 01, Volume No. 13604, on Pages 315 to 332, before Sub-Registrar, Dadri, Gautam Budh Nagar. That in the chain of title documents, the Original Sale Deed dated 01.10.2014 executed by Mr. Yogesh Kumar in favour of Mrs. Seema Nayak, registered as Document No. 19718, in Book No. 01, Volume No. 7394, on Pages 175 to 186, before Sub-Registrar, Dadri, Gautam Budh Nagar, is not available/missing. Our client hereby declares that except our client, no other person has any right, title, interest, claim, lien, dispute, charge, mortgage, objection or encumbrance whatsoever over the aforesaid property. Further, the said property has been agreed to be sold/transferred in favour of Mrs. Anita Devi and the same is proposed to be financed by Home First Finance Company India Ltd., Branch: Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में 21 एचपीएस अधिकारी बने आईपीएस

एजेंसी
चंडीगढ़। भारतीय महिला हाकी टीम की पूर्व कप्तान और गोल्डन गर्ल के नाम से मशहूर ममता खरब सहित हरियाणा पुलिस सेवा (एचपीएस) के 21 अधिकारी अब भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में शामिल हो गए हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने को वर्ष 2021 से 2025 तक की सलेक्ट लिस्ट जारी करते हुए एचपीएस अधिकारियों को आइपीएस के रूप में पदोन्नति का पत्र जारी कर दिया। हालांकि विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में 29 एचपीएस अधिकारियों के नाम आइपीएस काडर में पदोन्नति के लिए रखे गए थे। इनमें में 21 को पदोन्नति दी गई है। सुमेर सिंह व तान्या सिंह को अस्थाई आधार पर पदोन्नति दी गई है। पांच साल की सलेक्ट लिस्ट में शामिल सुमेर सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित है। इसी तरह तान्या सिंह के खिलाफ भी कार्यवाही लंबित है। वर्ष 2020 की सूची के अनुसार एचपीएस अधिकारी राजीव देशवाल, सुमेर सिंह, मुकेश कुमार, सुरेश कुमार व वीरेंद्र सिंह कोई आईपीएस प्रमोट किया गया है। इसी प्रकार चयन सूची-2021 के तहत सुमेर सिंह, कृष्ण कुमार, धर्मबीर सिंह, बलजिंद्र सिंह व जयबीर सिंह,चयन सूची-2022 के तहत सुमेर सिंह, ध्यान सिंह पूनिया, राजकुमार वालिया, ताहिर हुसैन और राजेश कुमार, चयन सूची-2023 के तहत सुमेर सिंह, रविंद्र कुमार, चयन सूची-2024 के अनुसार सुमेर सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय सिंह और सिद्धार्थ ढांडा तथा चयन सूची 2025 के तहत ममता खरब, तान्या सिंह, करण गोयल और संदीप कुमार को आईपीएस प्रमोट किया गया है।

बैंक घोटाले में सीबीआई ने दाखिल की पहली चार्जशीट

चंडीगढ़। हरियाणा में हाल ही में हुए बैंक घोटाले में सीबीआई ने जांच के आधार पर पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच एजेंसी ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही अतिरिक्त चार्जशीट भी दाखिल की जाएंगी। यह मामला शुरुआत में हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दर्ज किया गया था, जिसे बाद में जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया।आईडीएफसी फर्स्ट बैंक व एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक घोटाले की जांच हरियाणा सरकार की तरफ से सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई जांच के दौरान कई आईएएस अधिकारियों से पूछताछ हो चुकी है। हरियाणा इस मामले में करीब दो आईएएस समेत कई अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई भी कर चुकी है। सीबीआई द्वारा पंचकूला कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में कुल 15 आरोपियों को नामजद किया गया है। इनमें बैंक के 6 बैंक अधिकारी, हरियाणा सरकार के 3 कर्मचारी, 2 शेल कंपनियां उनके 3 साझेदार/निदेशकों सहित तथा एक निजी व्यक्ति को शामिल किया गया है। सीबीआई की चार्जशीट में शामिल सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

रेवाड़ी में होमगार्ड कमांडेंट 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

रेवाड़ी। रेवाड़ी में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए होमगार्ड कमांडेंट सुधीर को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी कमांडेंट पर सस्पेंड चल रहे होमगार्ड जवान को दोबारा नौकरी पर बहाल करने के बदले डेढ़ लाख रुपये मांगने का आरोप है। एसीबी की टीम ने कार्यालय में ट्रैप लगाकर कार्रवाई को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, सस्पेंड चल रहे होमगार्ड हवलदार सुरेश कुमार ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसे बिना किसी स्पष्ट कारण के करीब 10 महीने पहले सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद से वह लगातार विभागीय कार्यालय के चक्कर काट रहा था, लेकिन उसे न तो सस्पेंशन का कारण बताया गया और न ही दोबारा ड्यूटी ज्वाइन करवाने की प्रक्रिया पूरी की गई। सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि कमांडेंट सुधीर ने नौकरी पर बहाली के बदले उससे डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत मांगी। आरोप है कि जनवरी माह में वह 80 हजार रुपये पहले ही दे चुका था। इसके बाद बाकी रकम के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था।

मौसम में बदलाव के चलते आंशिक बादल छाए रहने की आशंका

हिसार। पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के चलते शहर के पारे में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली। दिन का पारा 45.4 डिग्री था जो लुढ़क कर 44.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हालांकि रात पारे में बड़ा उछाल देखने को मिला है। बुधवार को न्यूनतम पारा 27.6 डिग्री था जोकि गुरुवार को 31.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। उधर, हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार राज्य में मौसम आमतौर पर 23 मई तक परिवर्तनशील रहने व बीच बीच में हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान 22 मई को एक पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ों की तरफ बढ़ने तथा राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सरकुलेशन बनने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से 22 मई रात्रि व 23 मई को हरियाणा में आंशिक बादलवाई रहने तथा बीच बीच में धूल भरी हवाएं चलने व कहीं कहीं गरज चमक के साथ छिटपुट बूंदाबांदी की भी संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में हल्की गिरावट की संभावना है परंतु 24 मई से 27 मई के दौरान मौसम आमतौर पर खुश्क व गर्म रहने की संभावना है।

हरियाणा में खरीफ 2026 के लिए धान की सीधी बिजाई योजना लागू : किसानों को मिलेगा 4,500 रुपए प्रति एकड़ अनुदान

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (X) पर किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण घोषणा साझा की है। प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन 2026 के तहत जल संरक्षण और किसानों की लागत कम करने के उद्देश्य से 'धान की सीधी बिजाई योजना' (Direct Seeded Rice - DSR) को हरी झंडी दे दी है। इस योजना के तहत सीधी बिजाई अपनाने वाले किसानों को सरकार द्वारा 4,500 रुपये प्रति एकड़ की दर से वित्तीय सहायता (अनुदान) दी जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा साझा की गई योजना की मुख्य बातें और शर्तें निम्नलिखित हैं:

योजना की प्रमुख विशेषताएं और समय-सीमा

सभी जिलों में लागू (एक अपवाद के साथ): खरीफ 2026 में यह योजना महेंद्रगढ़ जिले को छोड़कर हरियाणा के सभी जिलों में प्रभावी रूप से लागू रहेगी।

4,500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि: जो किसान पारंपरिक रूप से धान की रोपाई करने के बजाय आधुनिक 'सीधी बिजाई' तकनीक का चयन करेंगे, उन्हें 4,500 रुपये प्रति

एकड़ का प्रत्यक्ष अनुदान दिया जाएगा।

पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य: योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को हरियाणा सरकार के आधिकारिक 'मेरी फसल, मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अंतिम तिथि (DeadLine): पोर्टल पर पंजीकरण करने की आखिरी तारीख 15 जून 2026 निर्धारित की गई है।

धान की सीधी बिजाई (DSR) तकनीक के बड़े लाभ

पारंपरिक कद्दु (Puddling) विधि की तुलना में सीधी बिजाई तकनीक किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है:

भूजल की भारी बचत : इस विधि में खेत को शुरुआत में पानी से भरकर रखने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे बहुमूल्य भूजल (Groundwater) की भारी बचत होती है और जल स्तर सुधरता है। कम मेहनत और कम लागत : इसमें नर्सरी (पनीरी) तैयार करने और फिर उसकी रोपाई करने का झंझट खत्म हो जाता है। इससे लेबर (मजदूरी) का खर्च बचता है और खेती की कुल लागत में बड़ी कमी आती है।

समय की बचत : सीधे बीज बोने से फसल तैयार होने के समय और किसानों की मेहनत दोनों की बचत होती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के किसान भाइयों से अपील की है कि वे गिरते भूजल स्तर को सुधारने और अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए इस पर्यावरण-अनुकूल तकनीक को अपनाएं और 15 जून से पहले अपना पंजीकरण जरूर सुनिश्चित करें।

बीसीसीआई चुनावों पर हाईकोर्ट की रोक, टीम प्रोग्रेसिव फ्रंट ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी
बहादुरगढ़। बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीसीसीआई) के चुनावों पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के बाद टीम प्रोग्रेसिव फ्रंट ने संस्था की चुनाव प्रक्रिया और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। टीम का कहना है कि पिछले लगभग 11 वर्षों से संस्था में लगातार अनियमितताएं और धांधलियां होती रही हैं तथा वे शुरू से ही निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया की मांग करते आ रहे हैं। टीम प्रोग्रेसिव फ्रंट के अनुसार उनकी मुख्य मांग वोटर लिस्ट को सही करने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सूची में करीब 150 फर्जी वोट शामिल किए गए, जबकि 100 से अधिक वास्तविक उद्योगपतियों और पुराने सदस्यों के नाम हटा दिए गए। उनका कहना है कि यदि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराने की वास्तविक इच्छा होती तो पहले सदस्य सूची की विसंगतियां दूर की जातीं और सभी वास्तविक सदस्यों को उनका अधिकार दिया जाता। प्रोग्रेसिव फ्रंट ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया को अत्यधिक जल्दबाजी में आगे बढ़ाया गया। टीम के अनुसार गंभीर आपत्तियां पहले ही डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार के समक्ष रखी गई थीं, जिसके बाद चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगाई गई थी। इसके बावजूद त्रुटियों को दूर करने की बजाय मामला स्टेट रजिस्ट्रार के पास ले जाकर दोबारा चुनाव प्रक्रिया शुरू कराई गई। साथ ही आरोप लगाया गया कि डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार द्वारा गठित कमेटी को दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए गए। टीम प्रोग्रेसिव फ्रंट का कहना है कि उनका उद्देश्य चुनाव जीतना या हारना नहीं, बल्कि बीसीसीआई के नाम पर पिछले वर्षों में हुए कार्यों की सच्चाई उद्योगपतियों और समाज के सामने लाना है। उन्होंने कहा कि संस्था के नाम पर विकास कार्यों में धांधली, कुछ क्षेत्रों की अनदेखी और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता दिए जाने जैसे मुद्दे अब धीरे-धीरे सामने आएंगे।

कैथल में नकली एनसीईआरटी पुस्तकों की बिक्री का भंडाफोड़, सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई

एजेंसी
कैथल। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम कुरुक्षेत्र व कैथल ने शहर के पेहवा चौक स्थित एक बुक डिपो पर छापा मारकर नकली एनसीईआरटी पुस्तकों के भंडारण और बिक्री का खुलासा किया है। यह कार्रवाई उप निरीक्षक राजबीर सिंह के नेतृत्व में की गई।टीम के साथ एनसीईआरटी दिल्ली के सहायक व्यापार प्रबंधक पदम सिंह भाटी और उत्पादन सहायक अश्वनी माचरा भी मौजूद रहे। छापेमारी के दौरान जिला शिक्षा विभाग और स्थानीय पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, जिनमें उप जिला शिक्षा अधिकारी जय भगवान, उप अधीक्षक प्रवीन थरेजा, बीईओ कार्यालय से सुखबीर सिंह तथा थाना शहर कैथल से उप निरीक्षक सत्यवान सिंह व सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार शामिल थे।छापेमारी के दौरान नवीन बुक डिपो के मालिक नवीन कुमार को मौके पर बुलाकर दुकान में रखी पुस्तकों की जांच की गई। जांच में कक्षा 9वीं की एनसीईआरटी अंग्रेजी माध्यम की विज्ञान विषय की 'एक्सप्लोरेशन' नामक पुस्तक (कोड संख्या 0906, मूल्य 205 रुपये) की कुल 483 प्रतियां नकली पाई गईं।

इन पुस्तकों में एनसीईआरटी का आधिकारिक वाटरमार्क और लोगो नहीं पाया गया।इस संबंध में पदम सिंह भाटी ने नवीन बुक डिपो के मालिक के खिलाफ नकली पुस्तकों के भंडारण और बिक्री को लेकर थाना शहर कैथल में लिखित शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

1857 की क्रांति पर आधारित यह स्मारक देश का अपनी तरह का पहला और ऐतिहासिक स्मारक : अनिल विज

एजेंसी
चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज 'आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक' का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री को स्मारक से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं, तकनीकी प्रबंधों एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1857 की क्रांति पर आधारित यह स्मारक देश का अपनी तरह का पहला और ऐतिहासिक स्मारक है, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम की विभिन्न वीर गाथाओं, युद्धों और बलिदानों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। विज ने कहा कि स्मारक में 1857 के संग्राम से जुड़े गुमनाम (अनसंग) वीरों और क्रांतिकारियों के संघर्ष को विशेष रूप से दर्शाया गया है, ताकि देशवासियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जा सके। यह स्मारक विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए

भी एक महत्वपूर्ण ज्ञान केंद्र सिद्ध होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों, कॉलेजों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को स्मारक भ्रमण हेतु प्राथमिकता दी जाए, ताकि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, देशभक्ति और बलिदान की अमूल्य विरासत के बारे में विस्तृत जानकारी मिल सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने 'आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक' में बनाई गई विभिन्न गैलरियों व ऑडिटोरियम में अवलोकन किया। ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने 1857 की क्रांति से जुडे एक लघु वृतचित्र को भी देखा और सराहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री ने स्मारक के प्रांगण में रूद्राक्ष का पोधा भी लगाया । अवलोकन के दौरान लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं कला विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पाण्डुरंग, भाजपा जिलाध्यक्ष मंदीप राणा, उपायुक्त अजय सिह तोमर, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, उपमण्डल अधिकारी नागरिक कनिका गोयल, शहीद स्मारक के निदेशक डॉ कुलदीप सैनी, वरिष्ठ इतिहासकार कपिल कुमार व डिजाईन कंपनी के पदाधिकारियों के अलावा नगर परिषद अध्यक्ष स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, मण्डल प्रधान रवि बुद्धिराजा, विकास बहगल, हर्ष बिन्द्रा, प्रवेश शर्मा, भाजपा पदाधिकारी बिजेन्द्र चौहान, मदन लाल शर्मा, बलित नागपाल, रामबाबू यादव, जसबीर जस्सी, संजीव सोनी, आरती सहगल, दीपक भसीन उपस्थित थे।

हरियाणा श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति की ओर अग्रसर, 2030 तक 15,500 मीट्रिक टन शहद उत्पादन का लक्ष्यमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्वेत क्रांति से स्वीट क्रांति के आहवान पर आगे बढते हुए मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन नीति बनाई । इस नीति के तहत वर्ष 2030 तक मधुमक्खी पालकों की संख्या बढ़ाकर 7 हजार 750 करने और शहद उत्पादन 15 हजार 500 मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री आज सैक्टर-1 स्थित रेड बिशप कनवेंशन सैंटर में हरियाणा उद्यान विभाग द्वारा विश्व मधुमक्खी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एंव किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए मधुमक्खी पालकों द्वारा शहद और शहद से बने उत्पादों के स्टालस का अवलोकन किया और उनमें गहरी रूचि दिखाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विश्व मधुमक्खी दिवस की शुभकामनाएं

देते हुए कहा कि राज्य सरकार मधुमक्खी पालन को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी के बक्सों, कॉलोनियों और उपकरणों पर 85 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध करवा रहे हैं। उन्होने बताया कि मधुमक्खी पालन से जुडे किसानों को अनिश्चितता और बाजार के उतार-चढाव से राहत दिलाते हुए हरियाणा सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को भी भावांतर भरपाई योजना में शामिल किया गया है। इस योजना के तहत शहद का, संरक्षित मूल्य 120 रुपये किलो तय किया गया है। इससे अब किसान को नुकसान होने का डर नहीं रहता और उन्हें एक निश्चित आय की गारंटी मिली है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 30 किसानों के खातों में भावांतर भरपाई योजना के तहत 1 करोड़ 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि जारी की। उन्होने बताया कि इसके अलावा मधुमक्खी पालकों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होने बताया कि नेशनल मधुक्रांति पोर्टल पर हरियाणा के 3 हजार से अधिक मधुमक्खी पालक रजिस्टर्ड हैं। मधुमक्खी पालकों के रजिस्ट्रेशन करवाने में हरियाणा राज्य प्रथम स्थान पर है। उन्होने कहा कि विश्व मधुमक्खी दिवस एक छोटे से जीव को लेकर मनाया जा रहा दिन है। लेकिन यह धरती पर जीवन को बचाने के लिए किया जा रहा एक महान प्रयास है। हमारे वैज्ञानिक पूरी मानव जाति को बार-बार चेताते आ रहे हैं कि यदि मधुमक्खियां खत्म हो गई तो जीवन भी खतरे में आ जाएगा। पूरी दुनिया को इसी बात के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है।

एचएसपीसीबी की टीम ने आवासीय क्षेत्र से जब्त किया 18 क्विंटल से अधिक प्लास्टिक का सामान

एजेंसी
गुरुग्राम। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) गुरुग्राम रीजन (नॉर्थ) द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान शिवाजी नगर के रिहायशी क्षेत्र में प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं के अवैध उपयोग, भंडारण और वितरण पर रोक लगाने को लेकर चलाया गया।

अभियान के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा तंवर, एईई कामेश, एईई विशाल, साइंटिस्ट-बी अर्जु, एईई आशीष गहलावत तथा जेईई राघवेंद्र की टीम ने विभिन्न दुकानों, विक्रेताओं और भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गुरुग्राम (उत्तर) की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा तंवर ने बताया कि शिवाजी नगर स्थित मकान नंबर 215ए/16 में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का भंडारण पाया गया। टीम ने मौके से कुल 1810 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध से संबंधित

नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जब्त की गई प्लास्टिक सामग्री को पर्यावरण अनुकूल निपटान के लिए एम/एस जेबीएम एनवायरो वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, ताजपुर, मुरथल, सोनीपत भेज दिया गया है।

शिकायतकर्ता को धमकी देने वालों पर केस और एसडीओ ने रास्ते में खंभे और ट्रांसफार्मर लगवाए उसके खिलाफ होगी कार्रवाई : नायब सिंह सैनी

एजेंसी
लाडवा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जिस एसडीओ ने गांव बकाली में खेत के रास्ते के बीच में खंभे और ट्रांसफार्मर लगाए उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाए। इस मामले की एसडीएम लाडवा जांच करेंगे। इसके साथ ही पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता को धमकी देने वालों के खिलाफ केस दर्ज किया जाए। इतना ही नहीं आम नागरिकों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश का विकास हो और हर नागरिक का उत्थान संभव हो सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को लाडवा के शिवाला रामकुंडी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन के बीच पहुंचकर सीधा संवाद कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी भी मौजूद रहे। इस जन संवाद कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, विकास शर्मा, अमरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नागरिकों को कहा कि सभी नागरिक शिकायत पत्र पर अपना मोबाइल नंबर जरुर लिखें, ताकि विभाग उनसे संपर्क किया जा

सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 338 शिकायतों को सुना। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम का यह मंच हमारे क्षेत्र के सतत विकास, जनकल्याण और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प का प्रतीक है। लाडवा विधानसभा क्षेत्र में बीते समय के दौरान जो विकास कार्य हुए हैं, वे यह सिद्ध करते हैं कि सरकार की नीति और नियत दोनों जनहित के लिए समर्पित हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ एक है, बल्कि इस क्षेत्र का विकास और यहां के हर नागरिक का उत्थान करना है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा कि कोई भी नागरिक जब शिकायत लेकर आता है तो उनकी सुनवाई कर शिकायत का निदान करें। उस शिकायत को लेकर किसी भी नागरिक को दोबारा से चक्कर ना लगाना पड़े। मुख्यमंत्री के समक्ष शिकायतकर्ता ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उन्होंने कई वर्ष पहले बकाली में करीब 7 एकड़ जमीन ली थी। इसकी मलकियत में ही रास्ता भी तय था, यहां पर जमीन लेने से कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा और उन्होंने एसडीओ से मिलकर उनके खेत के रास्ते में बिजली का ट्रांसफार्मर व खंभे लगवा दिए।

हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन में लगे कर्मचारियों को विभाग के कामों से मिलेगी राहत

एजेंसी
गुरुग्राम। जनगणना-2027 के अंतर्गत चल रहे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन को निर्धारित समय सीमा में सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी प्रदीप दहिया ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, कार्यालयों एवं शाखाओं को निर्देशित किया है कि जनगणना कार्य में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके नियमित विभागीय कार्यों से आवश्यक राहत प्रदान की जाए, ताकि वे जनगणना संबंधी दायित्वों का निर्वहन बिना किसी बाधा के कर सकें। प्रधान जनगणना अधिकारी द्वारा कहा गया है कि जनगणना-2027 के तहत हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन वर्तमान में निगम क्षेत्र में प्रगति पर है। यह कार्य राष्ट्रीय महत्व का है तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित किया जा रहा है। जारी निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि जनगणना कार्य में लगे कई अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित विभागीय जिम्मेदारियों के कारण निर्धारित समयावधि में अपने जनगणना संबंधी कार्यों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। हाउस लिस्टिंग कार्य की प्रकृति समयबद्ध है, जिसमें फील्ड विजिट, सत्यापन, डेटा संकलन एवं

समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना शामिल है। ऐसे में संबंधित कर्मचारियों की निर्बाध उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों एवं शाखाओं के प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि जनगणना-2027 के लिए नियुक्त कर्मचारियों को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग एवं पर्याप्त समय उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि जनगणना कार्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा तैनात कर्मचारी जनगणना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करें।

हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक किया जाएगा : ए. श्रीनिवास

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने घोषणा की है कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। मतदाता सूचियों का यह विशेष गहन पुनरीक्षण 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक शुरू होने जा रहा है, और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 22 सितंबर 2026 को किया जाएगा। ए. श्रीनिवास आज चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित नए हरियाणा सिविल सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सूचित किया कि भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिन मामलों में 'गणना फॉर्म' वापस नहीं मिले हैं, वहां बूथ स्तर के अधिकारी पड़ोस के निवासियों से पूछताछ कर 'अनुपस्थित ', 'स्थानांतरित ', 'मृत ', या 'डुप्लिकेट' जैसे संभावित कारणों की पहचान कर सकते हैं और उसी के अनुसार रिकॉर्ड दर्ज कर सकते हैं। बीएलओ को निर्देश दिया गया है कि वे जानकारी एकत्र करने के लिए ऐसे प्रत्येक घर का कम से कम तीन बार दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में

शामिल नहीं हैं, उनकी बूथ-वार सूची पंचायत भवनों, शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास एवं पंचायत अधिकारियों के कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी ताकि जनता की इन सूचियों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही नाम शामिल न होने के संभावित कारण भी प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इन सूचियों को संकलित करने और उन्हें सीईओ की वेबसाइट पर सुलभ प्रारूप में अपलोड करने के साथ-साथ संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइटों पर भी ऐसी ही सूचियां अपलोड करने का निर्देश दिया है। घर-घर जाकर गणना की प्रक्रिया के दौरान, बीएलओ को नए मतदाताओं के नामांकन की सुविधा के लिए कम से कम 30-40 खाली फॉर्म-6 आवेदन और खाली घोषणा पत्र (अनुबंध-4) साथ ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। सीईओ ने राजनीतिक दलों से बूथ स्तर के एजेंट 1 और 2 नियुक्त करने का आग्रह किया। अब तक, सीईओ कार्यालय को 14,520 बीएलए का विवरण प्राप्त हुआ है, जिनमें भाजपा से 6,438, कांग्रेस से 7,704, माकपा से 165 और बाकी अन्य राजनीतिक दलों के हैं। बीएलए भी मतदाताओं से गणना फॉर्म एकत्र कर बीएलओ को सौंप सकते हैं।

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और भेदभाव से त्रस्त है जनता, कुंभकर्णी नींद सो रही बीजेपी : भूपेंद्र हुड्डा

एजेंसी
चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा की जनता बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और भेदभाव से त्रस्त है। बावजूद इसके बीजेपी सरकार कुंभकर्णी नींद सोई हुई है। हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल की भर्ती में एक बार फिर इस सरकार का हरियाणवी विरोधी चेहरा उजागर हुआ है। क्योंकि सामान्य वर्ग की 116 नियुक्तियों में से 74 हरियाणा से बाहर के अभ्यर्थियों को भर्ती किया गया है। इससे स्पष्ट है कि लगातार बीजेपी हरियाणा की नौकरियां अन्य राज्य के लोगों में बांट रही है। जबकि हरियाणा देश का सबसे ज्यादा बेरोजगारी वाला राज्य है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने याद दिलाया कि भूगोल भर्ती से पहले असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी की भर्ती में भी सामान्य वर्ग के 60 चयनित अभ्यर्थियों में से 41 अन्य राज्यों के थे। इस भर्ती के रिजल्ट से साफ पता चलता है कि जानबूझकर अन्य राज्य के लोगों को इंटरव्यू में ज्यादा नंबर दिए गए और हरियाणा वालो को कम नंबर देकर मेरिट से बाहर कर दिया गया।असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी की 613 पदों वाली भर्ती में तो मात्र 151 अभ्यर्थियों का ही चयन किया गया और बाकी पद खाली छोड़ दिए गए। डीएससी वर्ग के साथ सबसे बड़ा अन्याय करते हुए 60 आरक्षित सीटों में से केवल एक का चयन किया गया था। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर साइकोलॉजी की भर्ती में 85 पदों के लिए 400 अभ्यर्थियों में से मात्र 3 को ही पास किया गया। यानी ये सरकार साजिश के तहत या तो पदों को खाली छोड़ देती है और अगर भर्ती करती है तो उसमें ज्यादा से ज्यादा गैर-हरियाणवियों का चयन किया जाता है। यह सीधे तौर पर हमारे युवाओं के अधिकारों पर डाका है।

फुजियामा पावर सिस्टम्स रतलाम में लगाएगी 1.2 गीगावाट का सौर सेल संयंत्र

नई दिल्ली ।

फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट का टॉपकॉन सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर ` विचार कर रही है। कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी संयंत्र में एक गीगावाट की मोनो पीईआरसी सौर सेल विनिर्माण सुविधा संचालित करती है। फुजियामा पावर सिस्टम्स ने शुक्रवार को कहा कि रतलाम में 1.2 गीगावाट टॉपकॉन क्षमता जुड़ने के साथ कंपनी सौर मूल्य श्रृंखला में अपनी एकीकृत विनिर्माण क्षमताओं को काफी मजबूत करेगी। रतलाम टॉपकॉन संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है। इस परियोजना के लिए अनुमानित निवेश 350 करोड़ रुपये है, जिसे ऋण एवं आंतरिक संसाधनों के संयोजन से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह विस्तार हमारी एकीकरण क्षमता को मजबूत करता है, लागत नियंत्रण को बेहतर बनाता है और डीसीआर-अनुपालन सौर सेल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। फुजियामा पावर सिस्टम्स रूफटॉप सौर समाधान प्रदान करने वाली एक प्रमुख कंपनी है। इसका कारोबार सौर पैनल, इन्वर्टर, लिथियम व ट्यूबलर बैटरी, चार्जर तथा पावर-इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के विस्तृत खंड में फैला है।

सेंट्रल बैंक में सरकार का विनिवेश, 2455 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी हिस्सेदारी घटाने जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बैंक में कुल 8 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेची जाएगी। शुरुआत में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची जाएगी, जबकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त 4 प्रतिशत हिस्सेदारी ग्रीन शू विकल्प के तहत उतारी जा सकेगी। शुक्रवार को बड़े और संस्थागत निवेशक बोली लगा सकेंगे, वहीं खुदरा निवेशकों के लिए बोली सोमवार को खुलेगी। फिलहाल बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 89.27 प्रतिशत है। अगर पूरी 8 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक जाती है, तो सरकार को करीब 2,455 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह कदम बाजार में पब्लिक शेयरहोल्डिंग बढ़ाने और विनिवेश से राजस्व जुटाने की सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भारत के असंगठित क्षेत्र में रोजगार पहली बार 15 करोड़ के पार

सेवा क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों की अगुवाई में रोजगार में 15.51 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी तिमाही बुलेटिन के अनुसार, भारत के असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार ने जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में पहली बार 15 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 15.51 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो 13.13 करोड़ से बढ़कर 15.17 करोड़ हो गया है। एनएसओ ने इस वृद्धि को क्षेत्र में स्वस्थ श्रम बाजार और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए रोजगार के प्रमुख स्रोत के रूप में बताया है। एनएसओ के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक अनुमानित प्रतिष्ठानों की संख्या 16.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 करोड़ हो गई। यह विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से मजबूत रहा, जहां प्रतिष्ठानों में सालाना 20.46 प्रतिशत और रोजगार में 21.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शहरी क्षेत्रों (क्रमशः 12.59 और 10.39 फीसदी) की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र इस वृद्धि का मुख्य चालक रहा, जहां प्रतिष्ठानों में 24.82 प्रतिशत और रोजगार में 31.13 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह असंगठित अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता खंड बन गया। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में 10 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जबकि व्यापार क्षेत्र में 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई। कुल कार्यबल में वर्किंग ओनर्स का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी बढ़कर 60.97 फीसदी हो गई। महिला श्रमिकों का इस क्षेत्र के कुल रोजगार में लगभग 29 फीसदी योगदान रहा। डिजिटल अपनाने में भी तेजी देखी गई, जहां 81 प्रतिशत प्रतिष्ठानों ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग किया और समान प्रतिशत ने कैशलेस लेनदेन को अपनाया। इसके अतिरिक्त, औपचारिकता की दिशा में भी प्रगति हुई है, पंजीकृत प्रतिष्ठानों का हिस्सा एक साल पहले के 36.2 फीसदी से बढ़कर 41.37 फीसदी हो गया है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती संरचनात्मक मजबूती को दर्शाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 231, निफ्टी 64 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंक बढ़कर 75,415.35 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64.60 अंक उछलकर 23,719.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व में एक फीसदी से अधिक तेजी आई। दूसरी ओर आईटीसी, पावरग्रिड, बीईएल, भारती एयरटेल, इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के शेयरों में श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 0.14 फीसदी उछला जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.15 फीसदी गिरा। निजी निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में तेजी रही जबकि निफ्टी फार्मा,निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया के शेयर टूटे। इससे पहले आज सुबह निफ्टी 127.40 अंक चढ़कर 23,786.65 पर पहुंच गया। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 488.97 अंक उछलकर 75,681.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में बढ़त के बावजूद, बाजार के व्यापक हिस्से में कमजोरी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.13 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.08 फीसदी की गिरावट रही। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक वार्ताओं पर निवेशकों की करीबी नजर है, खासकर ऐसी रिपोर्ट्स के बाद कि ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम के भंडार को देश के भीतर ही रखने की योजना बना रहा है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स का मुनाफा बढ़कर 250 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 10 गुना होकर 250.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि में 25 करोड़ रुपये था। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय भी दोगुने से अधिक होकर 4,143.5 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,589.3 करोड़ रुपये थी।गत वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा दो गुना से अधिक होकर 1,195.5 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 467.5 करोड़ रुपये था। कुल आय 7,735.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,195.5 करोड़ रुपये हो गई। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

बीएसई ने चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों के सर्किट फिल्टर घटाए

असामान्य तेजी और कम लिक्विडिटी वाले शेयरों पर प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स लागू

नई दिल्ली ।

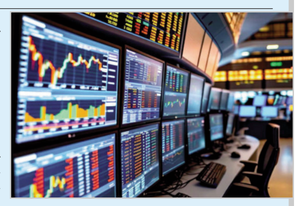

शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता और चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव के मद्देनजर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने महत्वपूर्ण निगरानी उपाय किए हैं। 22 मई से एक्सचेंज ने कई कम लिक्विडिटी वाले शेयरों के सर्किट फिल्टर को कम कर दिया है और निवेशकों को ट्रेड-टू-ट्रेड सेगमेंट से जुड़े नियमों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। बीएसई के अनुसार यह कदम प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स का हिस्सा है, जो उन शेयरों पर लागू होते हैं जहाँ असामान्य मूल्य वृद्धि, अत्यधिक सट्टेबाजी, कम तरलता या ट्रेडिंग वॉल्यूम में अचानक वृद्धि देखी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य शेयरों में अनियंत्रित तेजी या गिरावट को रोकना और खुदरा निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन उपायों के तहत आटोलाइन इंडस्ट्रीज का प्राइस बैंड 20 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि केंडोर टीचेक्स का सर्किट 20 फीसदी से 10 फीसदी किया गया है। जेटमाल स्पाइसेस एंड मसाला, पार्श्वनाथ डेवलपर्स और शूरा` डिजाइन जैसे शेयरों के लिए सर्किट फिल्टर को 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किट फिल्टर घटाने से शेयरों की दैनिक मूल्य सीमा सीमित हो जाती है, जिससे उनकी अत्यधिक वोलैटिलिटी पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है। यह कदम बाजार में स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण है।

टीसीएस कर्मचारियों पर मेहरबान 80 प्रतिशत तक बोनस देकर दी बड़ी राहत

बेंगलुरु।

जब कई बड़ी आईटी कंपनियां कर्मचारियों को बेहतर सैलरी हाइक देने से पीछे हट रही हैं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने मिड और टॉप लेवल के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर दी है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) में वेरिएबल पेआउट को 80 प्रतिशत तक बढ़ाया है, जिससे हजारों कर्मचारियों की सैलरी में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। यह फैसला आईटी सेक्टर में मंदी के बाद कर्मचारियों के प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और उनका मनोबल बढ़ाने के मकसद से हुआ है। टीसीएस ने जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए मिड और आला लेवल के कर्मचारियों को औसतन 60-80 प्रतिशत वेरिएबल पेआउट दिया है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने इतना उदार भुगतान किया है। पिछले करीब दो सालों से यह पेआउट 20-50 प्रतिशत के बीच ही रहा था, जिससे कर्मचारियों को काफी नुकसान हो रहा था। कई कर्मचारियों को अप्रैल की सैलरी के साथ यह अतिरिक्त राशि मिली है, जिससे उनके चेहरे पर खुशी लौट आई है।

हालांकि, यह पेआउट कंपनी की सख्त ऑफिस अटेंडेंस नीति से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी की ऑफिस अटेंडेंस 85 प्रतिशत से कम है, तब उस कर्मचारी को पूरा वेरिएबल पेमेंट नहीं मिलता। 75-85 प्रतिशत अटेंडेंस पर 75 प्रतिशत और 60-75 प्रतिशत अटेंडेंस पर केवल 50 प्रतिशत पेआउट दिया जाता है। 60 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले कर्मचारियों को, तब कोई बोनस नहीं मिलता। कंपनी ने अप्रैल 2024 से वित्त वर्ष 2025 के लिए सैलरी बढ़ोतरी भी शुरू की है, जिसमें औसत हाइक करीब 5 प्रतिशत रहा है। यह बढ़ोतरी परफॉर्मेंस बैंड के आधार पर अलग-अलग है, जहां ए प्लस बैंड को 9-13 प्रतिशत तक का हाइक मिला है।

कर्मचारियों का कहना है कि पिछले दो सालों में वेरिएबल पेमेंट कम होने से उन्हें 4-5 लाख रुपये का नुकसान हुआ था, लेकिन अब इस अच्छे पेआउट से उन्हें कुछ राहत मिली है। टीसीएस के इस कदम से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और बेहतर परफॉर्मेंस के लिए उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनी का यह फैसला आईटी सेक्टर की अन्य कंपनियों के लिए एक उदाहरण बन सकता है, जो कर्मचारियों की उत्पादकता और अटेंडेंस को बढ़ावा देगा। इस खबर पर टीसीएस ने फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मूमार्क और जापान की अकिबा फार्म के बीच साझेदारी

भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

भारतीय डिजिटल डेयरी कंपनी मूमार्क ने जापानी डेयरी दिग्गज अकिबा फार्म होल्डिंग्स के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास करना और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। यह समझौता मूमार्क की भारत के 17 राज्यों के 42,000 से अधिक गांवों तक फैली व्यापक प्रौद्योगिकी-आधारित दुग्ध आपूर्ति श्रृंखला को अकिबा फार्म होल्डिंग्स के 140 वर्षों के पारंपरिक जापानी डेयरी अनुभव के साथ एकीकृत करेगा। मूमार्क के नेटवर्क से 35 लाख से अधिक पंजीकृत किसान जुड़े हैं। समझौते के तहत दोनों कंपनियां प्रीमियम डेयरी उत्पादों के लिए एक समर्पित नवाचार प्रयोगशाला स्थापित करेंगी, जो जापानी तकुमी अवधारणा (कौशल में महारत) से प्रेरित होगी। इसके अतिरिक्त, पशु पोषण और दूध उत्पादन में सुधार के लिए वैज्ञानिक रूप से तैयार की गई जापानी टोटल मिक्स्ड रेशन (टीएमआर) आधारित पशु आहार प्रणाली भी भारत में शुरू की जाएगी, जिसका विस्तार बाद में मूमार्क के छोटे किसानों के नेटवर्क तक किया जाएगा। मूमार्क के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस साझेदारी को भारत के डिजिटल डेयरी तंत्र की बढ़ती ताकत और वैश्विक संभावनाओं का प्रमाण बताया है। यह सहयोग दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश भारत (वार्षिक 24.8 करोड़ टन उत्पादन) के डेयरी उद्योग में नई ऊंचाइयों को छूने की उम्मीद जगाता है।

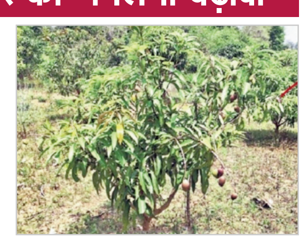

आरबीआई जून से बढ़ाएगा ब्याज दरें, महंगे होंगे होम और कार लोन!

महंगाई और वैश्विक दबाव के चलते केंद्रीय बैंक पर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आपकी जेब पर एक और झटका देने की तैयारी में है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के अर्थशास्त्रियों ने भविष्यवाणी की है कि आरबीआई जून से ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर सकता है, जिससे आपकी कार, होम और पर्सनल लोन की मासिक किस्त (ईएमआई) में इजाफा होगा। अर्थशास्त्रियों ने अपने नोट में कहा कि ईरान संकट के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से बढ़ती महंगाई के जोखिम को देखते हुए आरबीआई जून से ब्याज दरों में वृद्धि कर सकता है। अगस्त में एक और बढ़ोतरी संभव है। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और अन्य एशियाई केंद्रीय बैंकों के फैसले से आरबीआई पर दबाव बढ़ रहा है। मौजूदा हालात में, आरबीआई रेपो दर में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर सकता है, जिसे जून और अगस्त के बीच बराबर बांटा जाएगा। हालांकि, यदि 3 जून की एमपीसी बैठक में वृद्धि नहीं हुई, तो अगस्त में एक साथ 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी हो सकती है। नोट में यह भी कहा गया है कि यदि कमोडिटी की कीमतों पर दबाव और कमजोर रुपये के कारण महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई मार्च 2023 के अंत तक रेपो दर में 25 से 50 आधार अंकों की और वृद्धि कर सकता है।

रिलायंस पावर को जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली ।

रिलायंस पावर ने जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान तिमाही में 125.57 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय घटकर 1,946.33 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,065.64 करोड़ रुपये थी। कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 में 336.89 करोड़ रुपये का घाटा हुआ जबकि 2024-25 में इसने 2,947.83 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। वहीं कुल आय 8,257.04 करोड़ रुपये से घटकर 7,988.52 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत खरीदारों को शेयर व उससे जुड़े साधनों और/या अन्य पात्र प्रतिभूतियों के निर्गम के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और/या अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव या दोनों के संयोजन के जरिये किया जाएगा।निदेशक मंडल ने 3,000 करोड़ रुपये तक के सुरक्षित/असुरक्षित, परिपक्व होने

योग्य, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी, जिसे एक या अधिक किस्तों/श्रृंखलाओं में निजी निर्गम या अन्य तरीकों से जारी किया जाएगा।

स्विगी को एओए में बदलाव करने नहीं मिली शेयरधारकों की मंजूरी

कंपनी गठन के कायदे-कानून में बदलाव को 72.35 फीसदी समर्थन मिला, जो आवश्यक सीमा से कम रहा

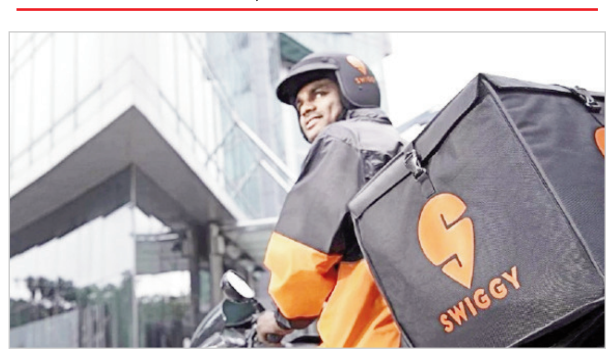

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन खाद्य एवं पेय सामग्री आपूर्ति मंच स्विगी को खुद को भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) के रूप में योग्य बनाने के लिए आवश्यक शेयरधारक मंजूरी नहीं मिल पाई है।

कंपनी के गठन के कायदे-कानून (एओए) में संशोधन का प्रस्ताव अपेक्षित 75 प्रतिशत समर्थन से 2.65 प्रतिशत कम रहा, जिससे यह पारित नहीं हो सका। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार डाक मतपत्र के माध्यम से की गई ई-वोटिंग प्रक्रिया में यह प्रस्ताव आवश्यक सीमा से 2.65 प्रतिशत कम रहा। हालांकि, रेनन डी कास्त्रो आल्वेस पिंटो को गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र नामित निदेशक के रूप में नियुक्त करने का एक अन्य प्रस्ताव 98.98 प्रतिशत भारी बहुमत से पारित हो गया। इस परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्विगी के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी इस निर्णय को स्वीकार करती है। उन्होंने पुष्टि की कि प्रस्तावित संशोधन भारतीय विदेशी मुद्रा कानूनों व विनियमों (फेमा) के तहत भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) बनने के दीर्घकालिक प्रयास का हिस्सा थे, जो उनके लिए प्राथमिकता बनी रहेगी। कंपनी ने कहा है कि वह अपने शेयरधारकों के साथ संवाद जारी रखेगी और भविष्य में सकारात्मक परिणाम की दिशा में काम करेगी। आईओसीसी का दर्जा प्राप्त करने के लिए कंपनी में भारतीय निवासियों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होना और नियामकीय मंजूरी मिलना आवश्यक है।

वेदांता की इकाई तलवंडी साबो पावर पर 127 करोड़ का जुर्माना

अपीलीय विद्युत अधिकरण का फैसला रद्द, पीएसईआरसी का आदेश बहाल

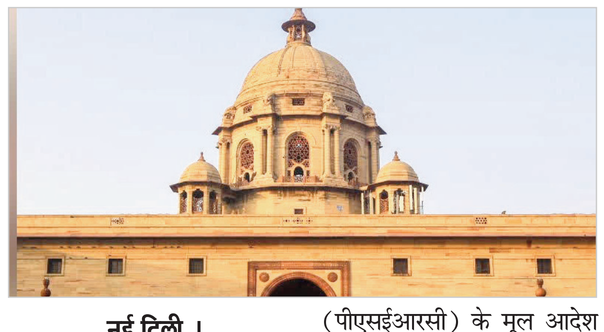

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने वेदांता लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) को पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को करीब 127 करोड़ रुपये और उस पर लागू विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह फैसला जनवरी 2017 में ग्रिड कोड के अनुसार उपलब्धता की गलत घोषणा से संबंधित एक मामले में आया है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजार को सूचित किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपीलीय विद्युत अधिकरण (एप्टेल) के उस फैसले को निरस्त कर दिया है, जिसने पहले टीएसपीएल को राहत दी थी। इसके बजाय, शीर्ष अदालत ने पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग (पीएसईआरसी) के मूल आदेश को बहाल कर दिया है, जिसमें टीएसपीएल पर जुर्माना लगाया गया था। यह आदेश जनवरी 2017 के लिए ग्रिड कोड के नियमों के तहत बिजली संयंत्र की उपलब्धता की गलत घोषणा के मामले से जुड़ा है। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल), पंजाब के मानसा जिले के बनावाला में स्थित एक 1,980 मेगावाट की महत्वपूर्ण कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना है।

यह अपनी 100 प्रतिशत बिजली पीएसपीसीएल को आपूर्ति करती है और बड़े पैमाने पर विश्वसनीय बिजली उत्पादन के जरिये पंजाब की लगभग 35 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंपनी अब बकाया राशि और विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करेगी।

सेंट्रल बैंक में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री शुरू

बिक्री से सरकार का 2,456 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सरकार ने शुक्रवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लॉन्च की, जिसका फ्लोर प्राइस 31 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुल गई है, जबकि खुदरा निवेशक सोमवार से इसमें बोली लगा सकेंगे। इस ओएफएस में अतिरिक्त 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए ग्रीनशू विकल्प भी शामिल है, जिससे सरकार कुल 8 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच सकती है। इस बिक्री से सरकार को करीब 2,456 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। यह कदम सरकार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी (एमपीएस) मानक को पूरा करने में भी सहायता करेगा, जिसके तहत सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक हिस्सेदारी अनिवार्य है।

वर्तमान में सेंट्रल बैंक ऑफ

इंडिया में सरकार की 89.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो ग्रीनशू विकल्प के उपयोग के बाद घटकर 81.27 प्रतिशत रह जाएगी। 31 रुपये का यह न्यूनतम मूल्य गुरुवार को बीएसई पर शेयर के 33.91 रुपये के बंद भाव से 8.58 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार पहले ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक से बिक्री पेशकश के जरिये क्रमशः 2,624 करोड़ रुपये और 1,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग

> यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्व, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल ह्लहिंदू विरोधह्व बनाम ह्लराजनीतिक विरोधह्व के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ह्लधर्म बनाम धर्मह्व की लड़ाई से ऊपर उठकर ह्लजन बनाम जनसमस्याह्व के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

संपादकीय

लू से हलकान जिंदगी

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो ह्यरोज कुंआ खोदकर पानी पीनेह्ल को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है,लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए।

चिंतन-मनन

संकल्प और साहस

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो।

रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढ़ाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमेरिकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।

1975 का आक्रोश और 2026 का बेचैन भारत?

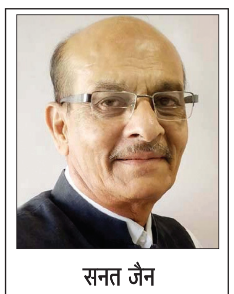

सनत जैन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनाक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की मंहगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया। पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर ह्लदुर्गाह्व कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया। छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आव्हान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी 1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पंहुच गया है। महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और ह्लविश्वगुरु भारतह्व का सपना दिखाया गया था। वही युवा वर्ग आज नौकरी और भविष्य की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है, जनता का भरोसा वर्तमान सरकार से तेजी से कमजोर पड़ता दिख रहा है। किसान आंदोलनों, अग्निवीर योजना के विरोध, पेपर लीक, आरक्षण विवाद और मतदाता सूची से नाम काटे जाने भ्रष्टाचार जैसे आरोपों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यायपालिका को लेकर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। हाल में बेरोजगार युवाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणी ने युवाओं के आक्रोश को और हवा दी है। जब जनता को यह महसूस होने लगे, सत्ता, प्रशासन और न्याय तीनों उसकी पीड़ा को नहीं सुन रहे हैं, तब व्यवस्था के प्रति अविश्वास खतरनाक मोड़ पर पंहुच जाता है। मंहगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में युवाओं का उग्र असंतोष सत्ता परिवर्तन का कारण बना है। भारत में भी सोशल मीडिया के दौर में नाराजगी अधिक तेजी से फैल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भारत का आकार और सोच कहीं अधिक बड़ी है। यदि आर्थिक संकट, बेरोजगारी, कर्ज और राजनीतिक, धार्मिक ध्रुवीकरण इसी तरह बढ़ते रहे, तो सामाजिक परिवर्तन की दशा में 1975 से ज्यादा गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता। जब जनता की थाली महंगी हो, जेब खाली हो और भविष्य अंधकारमय लगे, तब सबसे शक्तिशाली सरकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। 1975 में सत्ता ने असहमति को दबाने का रास्ता चुना था। 2026 के भारत में सत्ता के सामने यही चुनौती है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र में पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था जिसमें समाज के सभी कमजोर वर्ग को राहत मिले। यह रास्ता चुनेगी या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश करेगा।

जातिगत जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

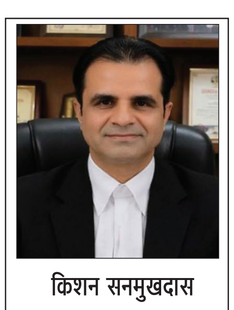

किशन सनमुखदास

चुनौती याचिका 20 मई 2026 को खारिज- संवैधानिक वैधता, सामाजिक न्याय और भारत की नई नीति- व्यवस्था की दिशा का व्यापक समग्र विश्लेषण...

भारत की जनगणना 2027 डिजिटल इंडिया और डेटा- आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है.

सुप्रीम कोर्ट का 20 मई 2026 का यह फैसला केवल एक याचिका खारिज करने तक सीमित नहीं है।बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय की अवधारणा और डेटा- आधारित शासन प्रणाली के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णय.

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्षों से चल रही जातिगत जनगणना की बहस को बुधवार 20 मई 2026 को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब भारतीय सुप्रीमकोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले ने केवल एक कानूनी विवाद का अंत नहीं किया,बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि भारत में होने वाली जनगणना 2027 पूरी तरह संवैधानिक,कानूनी और नीतिगत अधिकारों केदायरे में संचालित की जा रही है। बता दें इसके पूर्व भी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (11 अप्रैल, 2026) को केंद्र को जाति जनगणना रोकने का निर्देश देने वाली याचिका को खारिज कर दियाथा और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की कड़ी आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तीखी बहस चल रही थी। कुछ वर्ग इसे सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जबकि विरोधी पक्ष इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला कदम कह रहा था। किंतु सर्वोच्च अदालत के ताजा निर्णय ने यह स्थापित कर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह अधिकार है कि वह देश की सामाजिक संरचना, विशेषकर पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र करे, ताकि उसके आधार पर कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की जनगणना 2027 केवल एक पारंपरिक जनगणना नहीं मानी जा रही,बल्कि इसे डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही जनगणना व्यवस्था अब तकनीकी रूप से आधुनिक स्वरूप में प्रवेश कर चुकी है।

साथियों इस बार की जनगणना दो बड़े चरणों में आयोजित की जा रही है।पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ,जिसमें हाउस लिस्टिंग और आवासीय गणना की प्रक्रिया अपनाई गई। 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक चले इस चरण में देशभर के घरों,संपत्तियों,भवनों, आवासीय सुविधाओं, जल स्त्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और सामाजिक- आर्थिक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित डेटा संकलित किया गया।यह चरण केवल जनसंख्या गिनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह देश की जीवन- स्थितियों का व्यापक सामाजिक -आर्थिक सर्वेक्षण भी बन गया।जनगणना का दूसरा चरण वर्ष 2027 में प्रारंभ होगा, जिसमें प्रत्येक परिवार और उसके सदस्यों की विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें आयु, शिक्षा, रोजगार, भाषा, वैवाहिक स्थिति, प्रवासन, सामाजिक श्रेणी और विशेष रूप से जातिगत विवरण शामिल होंगे। पहली बार इतनी व्यापक डिजिटल प्रणाली अपनाई जा रही है जिसमें मोबाइल ऐप, टैबलेट आधारित डेटा एंट्री, ऑनलाइन सत्यापन और केंद्रीकृत डेटा मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि डेटा आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना है। यही कारण है कि जातिगत आंकड़ों को अब सामाजिक न्याय और संसाधन वितरण के दृष्टिकोण से सटीक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना करना या न करना सरकार का नीतिगत अधिकार है।अदालत ने कहाकि जब तक कोई नीति संविधान या कानून का उल्लंघन नहीं करती, तब तक न्यायपालिका उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत की यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को भी मजबूती देती है, जहां नीति निर्माण कार्यपालिका का क्षेत्र माना जाता है और न्यायपालिका केवल वैधानिकता की समीक्षा करती है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामाजिक रूप से वंचित समूहों की वास्तविक संख्या कितनी है,ताकिउनके लिए उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जाति आधारित गणना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है।यदि सरकार सामाजिक और आर्थिक नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंकड़े जुटाना चाहती है, तो यह उसका वैध प्रशासनिक अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि किसी नीति के संभावित दुरुपयोग की आशंका मात्र से उसे रोका नहीं जा सकता। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यही था कि जातिगत आंकड़ों का राजनीतिक और सामाजिक दुरुपयोग हो सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि सरकार के पास पहले से ही पर्याप्त सामाजिक डेटा उपलब्ध है, इसलिए अलग से जातिगत गणना की आवश्यकता नहीं है। किंतु अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि सरकार को समकालीन और प्रमाणिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुराने डेटा के आधार पर प्रभावी नीति निर्माण सटीक रूप से संभव नहीं है।

साथियों, यह फैसला सामाजिक न्याय की राजनीति और प्रशासनिक नीति दोनों के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व का वास्तविक आधार क्या होना चाहिए। अनेक विशेषज्ञों का मानना रहा है कि बिना अद्यतन जातिगत आंकड़ों के सामाजिक न्याय की नीतियां अधूरी रहती हैं। स्वतंत्र भारत में 1931 के बाद व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं रहे, जिसके कारण पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को लेकर लगातार विवाद बना रहा। ऐसे में जनगणना 2027 को एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना का वास्तविक चित्र सामने ला सकती है।

साथियों, राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। कई राज्यों में जातिगत सर्वेक्षण और सामाजिक गणना पहले ही राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुके हैं। बिहार, कर्नाटक और अन्य राज्यों में किए गए जातीय सर्वेक्षणों ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को और तेज किया। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भविष्य की नीतियां अधिक डेटा-आधारित और लक्ष्य केंद्रित होंगी। इससे यह भी संभावना बढ़ेगी कि सामाजिक योजनाओं में संसाधनों का वितरण वास्तविक जनसंख्या अनुपात और जरूरतों के आधार पर किया जा सके।

साथियों, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 11 अप्रैल 2026 को भी ऐसी ही एक याचिका को खारिज किया था, जिसमें केंद्र सरकार को जातिगत जनगणना रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। उस समय अदालत ने याचिका में प्रयुक्त भाषा पर भी कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत का यह लगातार रुख स्पष्ट करता है कि वह जनगणना जैसे प्रशासनिक और नीतिगत विषयों में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप से बचना चाहती है। इससे यह संदेश भी गया है कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में नीति निर्माण की प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचित सरकारों की होती है।जातिगत जनगणना के समर्थकों का तर्क है कि भारत जैसे बहुस्तरीय सामाजिक ढांचे वाले देश में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। यदि सरकार को यह ज्ञात ही नहीं होगा कि किस समुदाय की आबादी कितनी है, उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति कैसी है, तो योजनाओं का सही लक्ष्य निर्धारण संभव नहीं होगा। यही कारण है कि अदालत ने भी सरकार की इस आवश्यकता को स्वीकार किया कि पिछड़े वर्गों की संख्या और स्थिति जानना शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।दूसरी ओर, विरोधियों की आशंका यह रही है कि जातिगत पहचान को फिर से केंद्र में लाने से सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। उनका मानना है कि आधुनिक भारत को जाति से ऊपर उठकर आर्थिक और मानव विकास के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विक्ट्रोइ' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा-दो साल बाद इजरायल में लडूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इज़रायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताज़ा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इज़रायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें 'कोई जल्दी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज़्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इज़रायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बर्ताव नहीं किया जाता है। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया है। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, 'खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। रहमान के ऐलान और चीन की एंट्री से भारत पर इसका क्या असर होगा? बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे- पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता': ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कूटनीतिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं।

दबाव से झुकाना भ्रम है- ईरान राष्ट्रपति : पेजेशकियन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी देश को बल या दबाव के जरिए झुकाने की कोशिश करना एक भ्रम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लंबे समय में स्थायी समाधान नहीं दे सकतीं। उनके अनुसार, आपसी सम्मान के साथ की गई कूटनीति ही अधिक समझदारी भरा, सुरक्षित और स्थायी रास्ता है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी : रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविराम से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, जरूरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जरूरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जि?क्र किया और उन्हें ईरान, ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रग्स के खिलाफ अभियानों का भी जि?क्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशीली दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जब्त की हैं। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाई। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है; गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्ह्स पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी, एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।' वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

क्यूबा के राष्ट्रपति ने ट्रंप पर साधा निशाना : क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बर्मुडेज ने अभियोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह

केवल क्यूबा क्रांति के अडिग संकल्प के प्रति अमेरिका के अहंकार और हताशा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक पैंतरा है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य उस मनगढ़ंत दस्तावेज को पुख्ता करना है जिसका उपयोग वे क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण की मूर्खता को उचित ठहराने के लिए करते हैं।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्यूबा पर दबाव बढ़ाने की बात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा के खिलाफ ईंधन आपूर्ति रोकने सहित कई कदम उठाए थे, जिससे वहां बिजली संकट और आर्थिक दबाव बढ़ा।

क्यूबा और अमेरिका के बीच वार-पलटवार जारी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता से नई नेतृत्व व्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के साथ संबंधों में नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस एफ डी कोसियो ने मार्को रुबियो के बयान पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह क्यूबा के बारे में बार-बार गलत दावे कर रहे हैं और देश के लोगों के खिलाफ आक्रामक नीतियों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राउल कास्त्रो के अमेरिका की हिरासत में आने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती। उन्होंने 2006 में अपने भाई फिदेल कास्त्रो से सत्ता संभाली थी और 2018 में सत्ता हस्तांतरित कर दी थी। हालांकि, 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख पद छोड़ने के बाद भी उन्हें पर्दे के पीछे प्रभावशाली माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1995 से 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह के विमान हवाना के ऊपर उड़ान भरकर क्यूबा सरकार के खिलाफ पर्चे गिराते थे। क्यूबा ने अमेरिकी सरकार से इस पर आपत्ति जताई थी और चेतावनी दी थी कि वह अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करेगा। 24 फरवरी 1996 को रूसी निर्मित मिग-29 लड़ाकू विमानों ने हवाना के उत्तर में क्यूबा के हवाई क्षेत्र के पास दो निहत्थे सेसना विमानों को मार गिराया था। इस घटना में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व संघीय अभियोजक गाय लुईस ने कहा कि जांच के दौरान क्यूबा के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संबंधों के प्रमाण मिले थे।

हेपेटाइटिस-सी कर सकता है दिल को भी बीमार

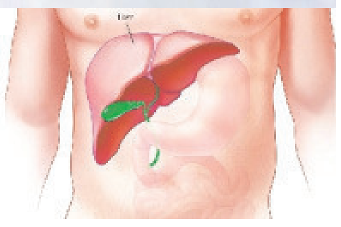

विश्व स्वास्य संगठन ने हेपेटाइटिस–बी और सी को खत्म करने के लिए वैश्विक योजना बनाई है।

यह सच है कि हेपेटाइटिस–सी से लोगों के लिवर खराब होने का खतरा होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, हेपेटाइटिस–सी का संक्रमण फैल कर दिल के लिए भी समस्या पैदा कर सकता है। अध्ययन इस बात के मजबूत प्रमाण देते हैं कि हेपेटाइटिस–सी से दिल की प्रणाली को नुकसान पहुंच सकता है।

एक विशेषज्ञ के मुताबिक लंबे समय से हेपेटाइटिस–सी से पीड़ित लोगों की रक्त धमनियों में चर्बी और कैल्शियम जम सकता है। उन्होंने बताया कि इसे एरोसिलेसोरिसस कहा जाता है, जो दिल के दौरे और स्ट्रोक की शुरु आत है। इस बात के कारण का तो पता नहीं है कि संक्रमण से धमनियों में जमाव क्यों होने लगता है, लेकिन इस बात के प्रमाण काफी मजबूत हैं कि हेपेटाइटिस–सी के मरीजों में दिल के रोगों संबंधी लक्षणों की जांच होनी चाहिए।

वह कहते हैं कि यह अहम है कि ऐसे मरीजों के लिवर की जांच जरूर हो, लेकिन इसके साथ ही डॉक्टर को दिल के रोगों की जांच भी लगातार करते रहनी चाहिए. कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज जैसी सालाना जांच, ब्लडप्रेशर की जांच और जीवनशैली से जुड़ी आदतें काफी मददगार साबित होती हैं।

हेपेटाइटिस–सी रक्त के जरिए फैलने वाले वारयस से होने वाला संक्रमण है, जिसकी गंभीरता कई सप्ताह से लेकर जीवनभर तक रह सकती है। असुरक्षित सूई, मेडिकल उपकरणों के उचित स्टेरलाइजेशन न होने और बिना जांच के रक्त या रक्त तत्व चढ़ाने से हेपेटाइटिस सी हो सकता है।

इससे पीड़ित लोगों को लिवर सिरोसेस या लीवर कैंसर हो सकता है। वैसे तो 90 प्रतिशत मामलों में इस संक्रमण का इलाज एंटीवायरल दवाओं से हो सकता है, लेकिन हेपेटाइटिस–सी का कोई वैक्सीन नहीं है.

विशेषज्ञ ने बताया कि जिन लोगों में हेपेटाइटिस–सी मौजूद हो, उनमें रक्त धमनियों के जाम होने की संभावना 50 प्रतिशत तक बढ़ जाती है. अगर संक्रमण का अच्छे से ध्यान ना रखा जाए तो पूरे शरीर में सूजन फैल सकती है, जिससे रक्त धमनियों के क्षतिग्रस्त होने और दिल की समस्याएं होने का खतरा बढ़ सकता है।

वह कहते हैं कि अगर जांच और इलाज वक्त पर शुरू हो जाए तो हेपेटाइटिस–सी को सेहत पर बिना किसी गंभीर प्रभाव के आसानी से संभाला जा सकता है. यह जरूरी है कि पीड़ित व्यक्ति को डॉक्टर से इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए कि संक्रमण के प्रभावों से लिवर और दिल की पण्राली को बचाने के लिए क्या किया जाए।

उनका सुझाव है कि दिल के रोग से बचने के लिए संतुलित ब्लडप्रेशर और रक्त में चर्बी का अनुपात बनाए रखना जरूरी है, लेकिन जिसे हेपेटाइटिस–सी हो, उसके लिए और बहुत कुछ करना जरूरी हो जाता है। हेपेटाइटिस–सी के वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

इस समय पूरी दुनिया में लगभग 40 करोड़ लोग वायरल हैपेटाइटिस से पीड़ित हैं। लिवर की यह बीमारी एचआईवी, मलेरिया और टीबी से भी ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार है। हर साल हेपेटाइटिस से 10.4 लाख लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। लेकिन सावधानी बरत कर हेपेटाइटिस को रोका जा सकता है। वर्ष 2014 की वर्ल्ड हेल्थ एसेम्बली में 194 सरकारों ने वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, जांच और इलाज के मसले को हल करने के लिए नियंतण्र स्तर पर जागरु कता फैलाने पर अपनी सहमति दी थी।

कुछ सुझाव हैं–

- शराब से परहेज करें, क्योंकि इसके कारण वायरस तीव्र हो जाता है।
- एंटीवायरल कॉम्बीनेशन थैरेपी से लगभग 50 फीसदी लोग वायरस पर जीत हासिल कर लेते हैं।
- एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ सेल्स को सेहतमंद रखें।

डा. अग्रवाल कहते हैं कि संक्रमण को खुला छोड़कर दिल को प्रभावित करने देने की बजाय इसे रोकने के तरीकों पर काम करना आवश्यक है। साथ ही हेपेटाइटिस–सी के वायरस को रोकना लिवर और दिल दोनों के लिए फायदेमंद होगा।

खनिज पदार्थो से भरपूर सूरजमुखी बीज

हम अपने को स्वस्थ रखने के लिए हर चीज अपनाते हैं। शरीर स्वस्थ है तो हर चीज अच्छी लगती है और शरीर बीमारी से ग्रस्त है तो जीवन निरस सा प्रतीत होता है। शरीर को स्वस्ता प्रदान करने के लिए न जाने हमने कितने ही चीजों का जीवन में प्रयोग किया होगा, पर अब आप इनमें सूरजमुखी के बीजों को भी प्रयोग भी करें। सूरजमुखी के बीज खाने के कई स्वास्य लाभ होते हैं। इनके बीजों में काफी सारा विटामिन ''ई' तथा अन्य खनिज पदार्थ होता है, जो सिर से ले कर पांव तक फायदा पहुंचाते हैं। इन दिनों लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए अलसी, कद्दू, तिल और सूजरमुखी के बीजों का सेवन करने लगे हैं। ये बीज न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि इन्हें खाने से पोषण भी मिलता है और यह पेट भी भरते हैं। सूरजमुखी के बीजों को खाने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है, कोलेस्ट्रॉल घटता है, त्वचा में निखार आता है तथा बालों का ग्रोथ होता है।

सूरजमुखी के बीज खाने के स्वास्य लाभ

1. दिल को रखे स्वस्थ : इनके बीजों में विटामिन ''सी' होता है जो कि दिल की बीमारी को दूर रखने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद विटामिन ''ई' कोलेस्ट्रॉल को खून की धमनियों में जमने से रोक कर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा टालता है। एक चौथाई कप सूरजमुखी के बीज 90 फीसदी तक का रोज विटामिन ''ई' प्रदान करता है।

2. कोलेस्ट्रॉल घटाए : इनमें मोनो और पोलीसैच्युरेटेड फैट्स होते हैं, जो कि एक अच्छे फैट माने जाते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने का काम करते हैं। इसके अलावा इनमें ढेर सारा फाइबर भी होता है जो कोलेस्ट्रॉल को घटाता है।

3. पेट ठीक रखे : बीज में काफी सारा फाइबर होता है जिससे कब्ज की समस्या ठीक हो जाती है।

4. कैंसर से बचाव : इसमें विटामिन ''ई', सेलियम और कॉपर होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। रिसर्च द्वारा कहा गया है कि यह पेट, प्रोस्ट्रेट और ब्रेस्ट कैंसर से रक्षा करता है।

5. त्वचा निखारे : सूरजमुखी के बीज का तेल त्वचा की नमी बनाए रखने के रूप में अच्छी तरह से बैक्टीरिया के खिलाफ रक्षा करता है।

6. हड्डी मजबूत बनाए : इसमें मैग्नीशियम की भी अधिक मात्रा होती है, जिससे हड्डियों में मजबूती आती है। इसके साथ ही यह हड्डियों के जोड़ों में लचीलापन तथा मजबूती लाता है। गठिया और सूजन के लिए इसमें मौजूद विटामिन ''ई' काफी लाभदायक है।

7. त्वचा रोग दूर करे : सूरजमुखी बीज के तेल में फैटी एसिड होते हैं जो कि त्वचा को बैक्टीरिया से बचा कर एक्ने होने से रोकता हैं। सूरजमुखी तेल एक्जिमा और डर्मेटाइटिस की बीमारी से बचाता है।

8. दिमाग के लिए अच्छा : यह आपके दिमाग को शांत रखता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम दिमाग की नसों को शांत करता है तथा स्ट्रेस और माइग्रेन से छुटकारा दिलाता है।

9. हेयर ग्रोथ : जिंक से भरे बीज आपके बालों को बढ़ाते हैं। हांलाकि अत्यधिक जिंक के सेवन से बाल झड़ने की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है। इसमें मौजूद विटामिन ''ई', सिर में ब्लड सकरुलेशन कर के बालों की ग्रोथ करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन — दी दू थ ज्ञ ञ दे दो चा ची
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

लॉफिंग ज़ौन

नाना ने कुछ बड़े हो गए नाती को गुर की बात समझाते हुए कहा- 'बेटा अब कोई काम धन्धा जमा लो, बेकार फिरना अच्छी बात नहीं। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मैंने दुकान में 50 रूपये की नौकरी की थी। फिर छः साल बाद उतनी ही बड़ी दुकान बना ली थी।'

नाती से रहा न गया । बोल पडा- 'नाना जी, अब वे जमाने लद गए। अब वैसी तिक़डम नहीं चलती। हर जगह कायदे के अनुसार हिसाब-किताब रखा जाता है।'

□ □ □

बस में सफर कर रही एक लड़की ने एक हाथ में किताबें पकड रखी थीं तथा दूसरे हाथ में बस का डंडा था।

कण्डक्टर- टिकट ले लो।

लडकी-देखते नहीं, मेरे हाथ खाली नहीं है।

कण्डक्टर- एक चीज मुझे दे दो।

लड़की - तो पकड लो बस का डंडा।

□ □ □

एक बच्चा रात को देर से घर गया। मां ने पूछा-'कहां थे अब तक' 'जी मैं फिल्म देखने गया था, मां का प्यार।'

मां ने कहा-'जाओ ऊपर बाप का गुस्सा भी देखो।'

काकुरो पहेली - 4062

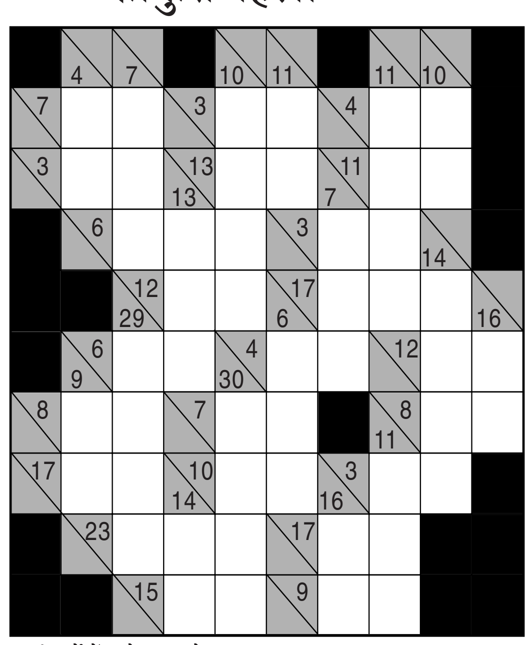

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

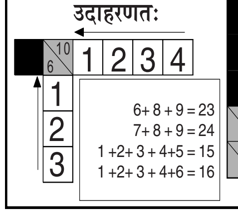

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4061 का हल

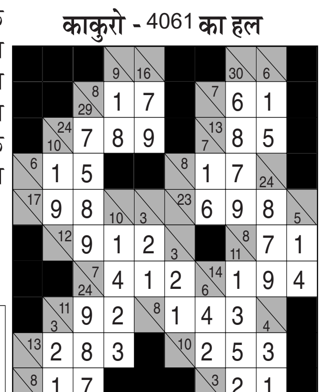

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

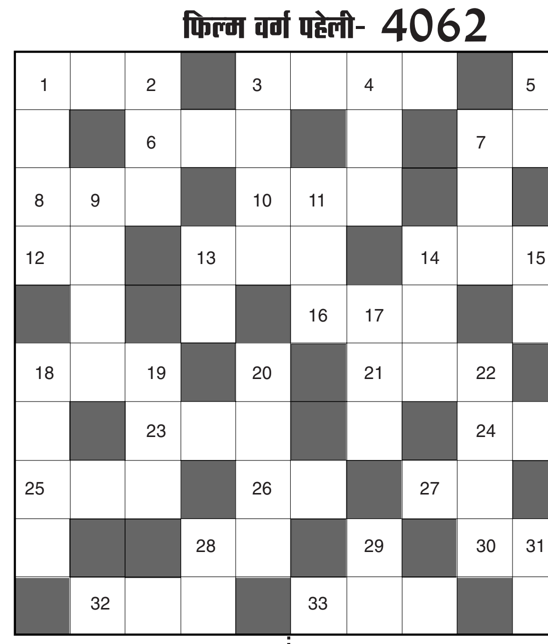

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4061

बै	ग	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	ग	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
ग	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बे			ब	से	ग
इ		चीं		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -4062

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4061 हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -4062

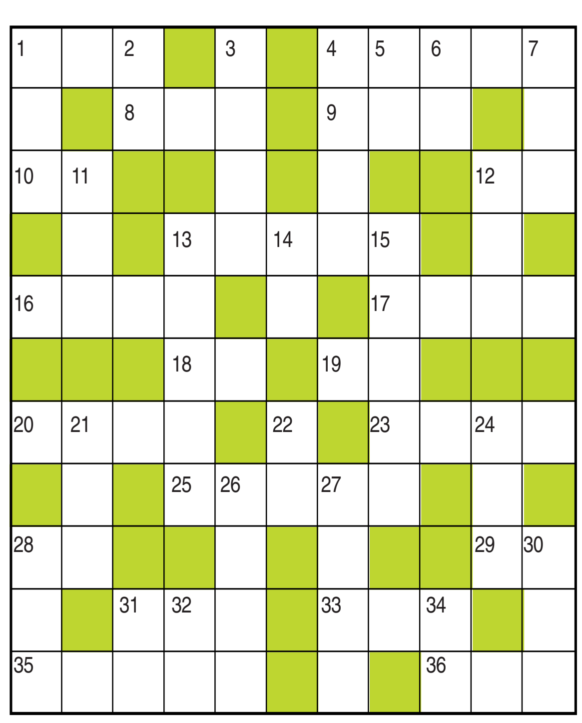

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4061 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			चीं		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

चिकित्सा प्रवेश परीक्षा का अधिकार राज्यों को मिलेः सिद्धारमैया

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार से मांग की है कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली नीट परीक्षा के स्थान पर राज्यों को अपनी सीईटी आधारित प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का अधिकार दिया जाए। उन्होंने पिछले दस वर्ष में पांच बार प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जिम्मेदारी लेने की मांग की। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित नीट परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में यूथ कांग्रेस के धरना को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सहित कई राज्यों में पहले मेडिकल प्रवेश के लिए सीईटी प्रणाली पारदर्शी और सफलतापूर्वक संचालित होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद केंद्र सरकार ने 2016 में नीट व्यवस्था लागू की। पिछले दस वर्षों में पांच बार प्रश्नपत्र लीक जैसी गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को एक वर्ष से अधिक समय तक मेहनत करनी पड़ती है। कई छात्र महंगी कोचिंग संस्थानों में प्रशिक्षण लेने के लिए हजारों लाखों रुपये खर्च करते हैं। आर्थिक रूप से सक्षम छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल जाती हैं, जबकि ग्रामीण और गरीब परिवारों के छात्र पिछड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है और संघीय व्यवस्था में राज्यों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। हर व्यवस्था का अत्यधिक केंद्रीकरण उचित नहीं है।

ईडी ने स्वयंभू धर्मगुरु अशोक खरात उर्फ कैप्टन को धनशोधन मामले में किया गिरफ्तार

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने स्वयंभू धर्मगुरु अशोक कुमार एकनाथ खरात उर्फ कैप्टन को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। ईडी ने आरोपित को 19 मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने उसे 26 मई तक सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। ईडी ने यह जांच नासिक शहर के सरकारवाड़ा थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। अशोक कुमार एकनाथ खरात और अन्य आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, महाराष्ट्र मानव बलि एवं अन्य अमानवीय, अघोरी तथा काला जादू प्रथा उन्मूलन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में शिर्डी थाना और राहाता थाना, अहिल्यानगर में दर्ज प्राथमिकी को भी जांच में शामिल किया गया। जांच में सामने आया कि अशोक खरात स्वयं को भगवान शिव का अवतार बताता था और अलौकिक शक्तियों तथा दैवीय ज्ञान होने का दावा करता था। आरोप है कि वह लोगों में मौत, काला जादू और अनिष्ट का भय पैदा कर धार्मिक अनुष्ठानों, कथित आध्यात्मिक उपचार और अवतार पूजा के नाम पर उगाही करता था। ईडी के अनुसार आरोपित लोगों को मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रभावित कर उनसे बड़ी रकम और संपत्तियां हासिल करता था। जांच में एक मामले में लगभग 5.62 करोड़ रुपये की उगाही का पता चला है। यह राशि मर्सिडीज वाहन खरीदने, विदेश यात्राओं, अमेरिका में चिकित्सा उपचार और फार्महाउस विकसित करने पर खर्च कराई गई थी। ईडी के अनुसार यह सब अशोक खरात के निर्देश पर किया गया।

188 साल बाद पूर्वी हिमालय में विलुप्तप्राय पौधे की पुनर्खोज, जर्मनी की प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रकाशित शोध

कोलकाता। पूर्वी हिमालय के जैव विविधता क्षेत्र से एक बेहद दुर्लभ और विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुके पौधे की 188 साल बाद पुनर्खोज की गई है। इस महत्वपूर्ण खोज पर आधारित शोधपत्र जर्मनी की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका फेडेस रेपर्टोरियम – जर्नल ऑफ बॉटनिकल टैक्सोनॉमी एंड जियोबॉटनी में सोमवार को (18 मई, 2026) को प्रकाशित हुआ है। यह पत्रिका स्कोपस और एल्सेवियर सूचीबद्ध तथा उच्च प्रभाव कारक वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका मानी जाती है। शोधपत्र का शीर्षक है – 'वैक्सीनियम पिलिफेरम की पुनर्खोज : पूर्वी हिमालय जैव विविधता क्षेत्र की एक विलुप्तप्राय प्रजाति '। जानकारी के अनुसार अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले के विजयनगर क्षेत्र के बाहरी इलाके से अक्टूबर 2024 में वनस्पति विज्ञान के छात्र एवं शोधकर्ता विनय कुमार साहनी ने इस दुर्लभ पौधे को एकत्र किया था। इसके बाद प्रसिद्ध भारतीय ब्लूबेरी विशेषज्ञ डॉ. सुभाषिस पांडा ने इस पौधे की पहचान वैक्सीनियम पिलिफेरम के रूप में की। डॉ. पांडा इस पौधा समूह के विशेषज्ञ हैं और उन्होंने सेंट्रल नेशनल हर्बेरियम तथा आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

मप्र के इंदौर में ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की दो दिवसीय बैठक दो दिनों तक चली चर्चाओं, सहयोगात्मक गतिविधियों और ज्ञान-साझाकरण सत्रों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के बीच उद्यमिता सहयोग को मजबूत करना था। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के युवा मामले विभाग द्वारा भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के अंतर्गत आयोजित इस बैठक में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया (वर्चुअल रूप से), युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, युवा मामले विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, युवा मामले विभाग के अपर सचिव नितेश कुमार मिश्रा, युवा मामले विभाग की निदेशक डॉ. सारा जयल सॉकमी, युवा मामले विभाग के उप सचिव राजेश कुमार कनौजिया और ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पुलिस के सहयोग से ही राज्य में सुशासन स्थापित और समृद्धि का रास्ता सुशासन से ही संभव : मुख्यमंत्री सम्राट

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार शाम 'बैंक ऑफ बड़ौदा बिहार पुलिस सैलरी पैकेज दिवंगत पुलिसकर्मी बीमा लाभ वितरण कार्यक्रम' में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा पुलिसकर्मियों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है सरकार आपके साथ है, आपको हरसंभव सुविधा मुहैया कराई जाएगी। बिहार के सभी 40 पुलिस लाइनों में पुलिस के बच्चों को पढ़ने के लिये शीघ्र ही अच्छे स्कूल खोले जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस के सहयोग से ही राज्य में सुशासन स्थापित है और समृद्धि का रास्ता सुशासन से ही संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत पुलिसकर्मी भी चाहते थे कि उनका परिवार आगे बढ़े और उनके जीवन में समृद्धि आए। आज यहां सहयोग

स्वरूप दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को राशि प्रदान की जा रही है ताकि उनको आगे बढ़ने में मदद मिले। मैं इसके लिए बैंक ऑफ बड़ौदा को धन्यवाद देता हूं जो उन्होंने ऐसे लोगों के लिए अच्छा पैकेज लाने का निर्णय लिया सम्राट चौधरी ने कहा कि सवाल उठाते हैं और जाति विशेष की बात करते हैं। पुलिस किसी की जाति पूछकर गोली नहीं चलाती। बिहार सुशासन के लिए जाना जाए यह महत्वपूर्ण है। यदि कोई पुलिस को चैलेंज करता है तो 48 घंटे के अंदर पुलिस उसे उसी भाषा में जवाब देगी। पुलिस सुशासन और शक्ति का प्रतीक है। अपराधी किसी भी हालत में नहीं बचें यह सरकार की कोशिश है। पुलिसकर्मी अपना घर परिवार छोड़कर समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के सभी 534 प्रखंडों में सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में मॉडल स्कूल स्थापित करने की दिशा में हमलोग आगे बढ़ रहे हैं। हम मॉडल स्कूल के रूप में ऐसी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं जिसमें मंत्री और अधिकारी के बच्चे पढ़ने के लिए पैरवी करें। बिहार ज्ञान की भूमि है और यहीं भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसी बिहार से विश्व को शांति का संदेश गया।

बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी का चेन्नई में छापा, 43 बेनामी संपत्तियां उजागर

एजेंसी

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी मामले में चेन्नई में स्टील कंपनियों- थंगम स्टील लिमिटेड और पीएस कृष्णमूर्ति स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड तथा उनके निदेशकों और सह-आरोपियों के सात ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। ईडी ने इस दौरान 43 अचल बेनामी संपत्तियों का खुलासा करते हुए कई इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड एवं आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए।

ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई सीबीआई, ईओबी, चेन्नई द्वारा दर्ज दो एफआईआर के आधार पर की गयी। एफआईआर में आरोप है कि इन कंपनियों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को लगभग 311 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। सीबीआई ने इस मामले में आरोपपत्र भी दाखिल किए हैं। जांच में सामने आया कि 2007 से 2013 के बीच आरोपियों ने फर्जी वित्तीय दस्तावेज, बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए स्टॉक और रिसीवेबल्स, काल्पनिक गोदाम और झूठे परिवहन रिकॉर्ड के जरिए बैंकों से कैश क्रेडिट और लेटर ऑफ क्रेडिट की सीमा बढ़वाई। उन्होंने एसबीआई और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के समक्ष अलग-अलग बैलेंस शीट दाखिल कर वास्तविक वित्तीय स्थिति छिपाई। बैंक से प्राप्त धनराशि को स्टील डिवीजन और निजी संपत्तियों की खरीद में फर्जी कंपनियों के माध्यम से घुमाकर इस्तेमाल किया गया।

तलाशी में ईडी को कई चल और अचल संपत्तियों के दस्तावेज मिले, जो बेनामी नामों, परिजनों और दूर के रिश्तेदारों के नाम पर रखे गए थे। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 100 करोड़ रुपये आंका गया है।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की मैराथन बैठक, विकसित भारत 2047 विजन पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों की यात्रा से लौटने के तुरंत बाद एक्शन में दिखे। शाम उन्होंने मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता की और सभी मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्टकार्ड की समीक्षा की। सेवा तीर्थ में शाम करीब 5 बजे शुरू हुई उच्चस्तरीय बैठक लगभग साढ़े चार घंटे तक चली। मैराथन बैठक में शासन सुधार, प्रशासनिक दक्षता और सरकार के दीर्घकालिक 'विकसित भारत 2047' विजन पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान करीब 09 मंत्रियों ने अपने मंत्रालयों के कामकाज की विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया। इसके साथ कई मंत्रियों के काम काज की समीक्षा भी की गई। साथ ही सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, समन्वय और भविष्य की रणनीति को लेकर मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श भी किया गया। इसमें मंत्रियों के पिछले कामकाज का लेखा-जोखा और दो साल के रिपोर्ट कार्ड की समीक्षा की गई। विशेषकर पश्चिम एशिया में मौजूदा हालत को देखते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों, विकास परियोजनाओं और भविष्य के रोडमैप

पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पांच देशों की यात्रा के निष्कर्ष से सभी मंत्रियों को अवगत कराया। विदेश यात्रा पर होने के कारण इस बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा मौजूद नहीं थे। बाकी तकरीबन सभी कैबिनेटमंत्री, राज्य मंत्री मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रिपरिषद की बैठक एक साल बाद बुलाई है। इससे पहले पिछले साल यानी 2025 में यह बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक के बाद मंत्रिमंडल में फेर बदल के कयास तेज हो चली है। माना जा रहा है कि अगले महीने मंत्रीमंडल में फेरबदल संभव है।

नैनीताल जिले में खाई में गिरी कार, लखनऊ के एक परिवार के चार सदस्यों सहित पांच की मौत

एजेंसी

नैनीताल। भवाली क्षेत्र के सेनेटोरियम-रातीघाट बाइपास मार्ग पर गुरुवार अपराह्न एक महिंद्रा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में कारसवार पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चार सदस्य और कार चालक है। ये सभी कैंचीधाम जा रहे थे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया और स्थानीय प्रशासन को यथासंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। नैनीताल पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी भूपेंद्र सिंह चुफाल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ कैंचीधाम जा रहे थे। सेनेटोरियम-रातीघाट बाइपास रोड पर ढैला गांव से लगभग 500 मीटर पूर्व उनकी कर अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। दुर्घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। राहत अभियान के दौरान एसडीआरएफ एवं पुलिस टीम ने सभी शवों को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त कार में दो

पुरुष, दो महिलाएं और एक बच्चा का शव मिला। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान भूपेंद्र सिंह चुफाल (48 वर्ष), उनकी पत्नी सीमा कैड़ा चुफाल (45 वर्ष), पुत्र वासु चुफाल (19 वर्ष), पुत्री रवी चुफाल (12 वर्ष) व वाहन चालक अनुज कुमार मिश्रा (34 वर्ष) के रूप में हुई है। अनुज कुमार मिश्रा पुत्र दया सागर मिश्रा, अफसर नगर एलपीजी गोदाम, आलम नगर लखनऊ के निवासी थे। जिस मार्ग पर दुर्घटना हुई है, वह कैंची धाम के लिए बाइपास के रूप में प्रस्तावित है और अभी इसका निर्माण ही चल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वाहन दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ. जगदीश चंद्र, क्षेत्राधिकारी रविकांत सेमवाल और प्रभारी निरीक्षक प्रकाश मेहरा सहित पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

अभिषेक बनर्जी की कथित संपत्ति की जांच से टीएमसी नेतृत्व के सामने खड़ी हुई राजनीतिक और संगठनात्मक परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की एक जांच, जो कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी, उनके परिवार या उनकी कंपनी के स्वामित्व वाली संपत्तियों से जुड़ी है, इसने पार्टी के लिए एक राजनीतिक और संगठनात्मक परीक्षा खड़ी कर दी है। खबरों के मुताबिक ये नोटिस कोलकाता नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के तहत जारी किए गए थे, जिसके तहत अधिकारियों ने कोलकाता में शांति निकेतन सहित कई जगहों का दौरा भी किया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि उस संपत्ति पर चिपकाया गया एक नोटिस बाद में फटा हुआ मिला, यह घटना राजनीतिक खींचतान का एक छोटा, लेकिन प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई। यहां तक कि जब ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार सत्ता में थी, तब भी आलोचक यह आरोप लगाते रहे हैं कि बड़ी संख्या में संपत्तियां युवा नेता अभिषेक बनर्जी और उनकी बताई जाने वाली कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स के नाम पर पंजीकृत हैं। तृणमूल कांग्रेस

ने बार-बार ऐसे आरोपों को 'कीचड़ उछालने' की कोशिश बताकर खारिज किया है। रिपोर्टों के अनुसार केएमसी के अधिकारियों ने अभिषेक बनर्जी से जुड़ी कुछ संपत्तियों के संबंध में नोटिस जारी किए हैं, जिनमें स्वीकृत भवन योजनाओं और संबंधित दस्तावेजों की मांग की गई है।इसका उद्देश्य यह जांचना है कि क्या निर्माण कार्य स्वीकृत योजनाओं के अनुरूप हैं और क्या कोई कर बकाया है। तृणमूल कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने दावा किया कि इस घटना ने संगठन के भीतर कुछ नेताओं को 'उत्तराधिकारी' (अभिषेक बनर्जी) से अपनी शर्तों पर बात करने का मौका दिया। यह मुद्दा हाल ही में हुई एक बैठक में अप्रत्यक्ष रूप से उठाया गया। एक नेता जिन्हें कभी अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता था, उसने कथित तौर पर कहा कि कुछ ऐसे विषय हैं, जिन पर विस्तार से चर्चा करने की आवश्यकता है। वरिष्ठ तृणमूल नेता सार्वजनिक रूप से इस घटनाक्रम से खुद को अलग करते दिखे, क्योंकि अभिषेक बनर्जी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव होने के साथ-साथ इसके सबसे प्रमुख चेहरे में से एक हैं। केएमसी स्वयं तृणमूल द्वारा संचालित एक नागरिक निकाय है, इसलिए पार्टी आसानी से यह दावा नहीं कर सकती कि यह कार्रवाई पूरी तरह से बाहरी उत्पीड़न का मामला है। महापौर फिरहाद हकीम जो चार बार के तृणमूल विधायक और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली पश्चिम बंगाल कैबिनेट में पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने खुद को उस घटनाक्रम से अलग कर लिया है। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उन्हें केएमसी द्वारा ऐसी संपत्तियों के खिलाफ जांच शुरू किए जाने की कोई जानकारी थी। इस बीच, गुरुवार देर शाम फेसबुक पर पोस्ट किए गए एक संदेश में, तृणमूल के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इन आरोपों को झूठा बताया। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अभिषेक बनर्जी की घोषित संपत्ति और डायमंड हार्बर से तीन बार लोकसभा चुनाव लड़ चुके इस उम्मीदवार की उन संपत्तियों की जांच करें, जिनका जिक्र उन्होंने अपने नामांकन पत्रों के साथ जमा किए गए हलफनामे में किया है।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे केंद्र सरकार : इकबाल अंसारी

एजेंसी

अयोध्या। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी ने जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिए जाने की मांग की है। इकबाल अंसारी ने कहा कि गाय की कुर्बानी को अल्लाह और पैगंबर ने मना किया है। इकबाल अंसारी ने समाचार एजेंसी बातचीत के दौरान कहा कि 'यह मुद्दा हमारे देश और हमारे देश के कानूनों से जुड़ा है। हम गायों का सम्मान करते हैं, और पूरा देश उनका सम्मान करता है। उन?होंने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को 'गौ माता' का दर्जा दिया गया है और उसे मां माना जाता है। यह एक अच्छी बात है, और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। अगर हमारा हिंदू पड़ोसी गाय को 'गौ माता' कहता है, तो हमारा भी यह फर्ज बनता है कि हम भी ऐसा ही करें। गाय की कुर्बानी को लेकर कोई लिखित नियम नहीं है और ऐसा होना भी नहीं चाहिए क्योंकि अल्लाह और पैगंबर ने इसकी मनाही की है। अल्लाह के रसूल ने मना किया है कि गाय का दूध फायदेमंद और घी दवा है। हमारी गुजारिश है कि सभी गाय का सम्मान करें।

उन्होंने अपील की है कि बकरीद के समय में जिन पशुओं पर प्रतिबंध है उनकी कुर्बानी नहीं की जानी चाहिए। गर्मी का मौसम चल रहा है, ऐसे समय में गाय को चारा और पानी देने की व्यवस्था होनी चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाना चाहिए। वहीं, आर्य संत वरुण दास महाराज ने बातचीत में कहा कि यह बहुत अच्छी बात है और इस कदम का स्वागत है। मैं तो कहूंगा कि भारत के मुसलमानों को खुद आगे आकर इस कदम का समर्थन करना चाहिए।

असम विधानसभा सत्र शुरू, विधायकों ने यूसीसी और महंगाई पर की बात

एजेंसी

गुवाहटी,। असम में नई सरकार के गठन के बाद विधानसभा सत्र की शुरुआत हुई। पहले दिन चुने हुए विधायकों को शपथ दिलाई गई। असम विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को 16वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा नेताओं ने यूसीसी लागू करने की बात दोहराई।

दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं ने महंगाई को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। विधानसभा परिसर में आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा विधायक दिगंता कलिता ने कहा कि आज विधानसभा का पहला दिन था। हम सबने शपथ ली। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में हमने लोगों की समस्याओं को खत्म करने के लिए शपथ ली है। उन्होंने कहा कि हमें पांच बार नमाज पढ़ने से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन माइक पर नमाज पढ़ने से दिक्कत है। इससे अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय आने पर हम सभी इस पर

कदम उठाएंगे।

भाजपा विधायक डिप्लू रंजन सरमा ने बातचीत में कहा कि भाजपा का जब से जन्म हुआ है, हम लोगों की सेवा में खड़े हैं। प्रदेश में यूसीसी लागू होकर रहेगा।

उन्होंने कहा कि डीजल-पेट्रोल महंगे होने पर हम सभी चिंतित हैं। प्रधानमंत्री के साथ मिलकर हम लोग काम कर रहे हैं और इससे बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। सबको यह भी बताना चाहिए कि आखिर महंगाई क्यों बढ़ रही है।

बीजेपी विधायक रूपाली लांगथासा ने भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार विधायक बनी हूं, इसलिए मुझे अलग ही अनुभव महसूस हो रहा है। मुझे जो भी दायित्व मिलेगा, उसका पालन करूंगी और अपने क्षेत्र के लोगों के लिए काम करूंगी।

मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन ने कहा कि यूसीसी को लेकर कांग्रेस का रुख साफ है। यूसीसी के पीछे सरकार की मंशा के हम खिलाफ हैं। यूसीसी को लेकर हमें कोई जानकारी नहीं मिली है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, कांग्रेस अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष ने यूसीसी को लेकर अपनी बात साफ कर दी है।

उन्होंने कहा कि महंगाई ही सबसे बड़ा मुद्दा है। पेट्रोल-डीजल महंगे होने से सबकुछ महंगा हो रहा है। बाजार में ग्राहक नहीं हैं, दुकानदार खाली बैठे हैं। हमारे लिए सबसे बड़ा मुद्दा महंगाई है।

सिंहस्थ 2028 के लिए संवर रहा उज्जैन, जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सराहा

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व 2028 (महाकुंभ) के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधोसंरचना विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों के साथ मिनी बस में सवार होकर सिंहस्थ के अंतर्गत निर्माणाधीन विकास कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने सिंहस्थ के प्रचलित निर्माण कार्यों को लेकर संतुष्टि जताते हुए कहा कि इस बार सिंहस्थ का ऐतिहासिक आयोजन अलौकिक उत्सव के रूप में होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी संत उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी के साथ संभागायुक्त व सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने एक मिनी बस में सवार होकर सिंहस्थ के तहत निर्माणाधीन कार्यों

का निरीक्षण किया। संभागायुक्त आशीष सिंह ने जन प्रतिनिधियों को बताया कि 6 ब्रिज दिसंबर 2026 के पहले पूर्ण हो जाएंगे और नईखेडी सड़क का काम भी दिसंबर 2026 में पूर्ण कर लेगें। इसी प्रकार अन्य कार्य भी समय से पहले ही पूर्ण होने की संभावना है। जनप्रतिनिधियों को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मटेरियल परीक्षण लेब का निरीक्षण भी कराया और बताया कि सीमेन्ट, गिट्टी, सरिया के साथ निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री का निरंतर परीक्षण हो रहा है और टेस्टिंग रिपोर्ट भी रजिस्टर में संधारित हो रही है। जनप्रतिनिधियों ने भ्रमण के दौरान भूखी माता ब्रिज का निरीक्षण करते हुए ब्रिज बनाने की तकनीक भी समझी। ब्रिज के प्लेटफॉर्म में लोहे के चादर से बने पाइपों का उपयोग हो रहा है। इसके चारों ओर कंक्रीट और लोहे का जाल बिछाया जाता है, जिससे वजन को कम किया जा सके। संभागायुक्त और कलेक्टर ने भी इस तकनीक की जानकारी ली और कहा कि यदि ऐसी नई तकनीक का उपयोग किया जाए तो उसके संबंध में जरूर बताया जाए। जनप्रतिनिधियों ने सिंहस्थ में मोक्षदायिनी शिप्रा नदी को प्रदूषित पानी से मुक्त कराने के लिए महत्वाकांक्षी योजना कान्ह डायवर्जन परियोजना के कार्य का निरीक्षण किया। यहां पर सभी ने जमीन से 24.5 मीटर की गहराई में उतर कर निर्माणाधीन टनल के कार्य को देख संतुष्टि जताई। इंजीनियरों ने बताया कि परियोजना की कुल लम्बाई 30.15 कि.मी. है, जिसमे 18.15 कि.मी. लम्बाई में कट- कवर द्वारा क्लोज डक्ट का निर्माण कार्य प्रचलित है तथा 12 कि.मी. लम्बाई में टनल का निर्माण किया जा रहा है। टनल भाग के निर्माण में 4 शाफ्ट भी बनाई जाएगी।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा, सास ने दी जजों को ताबड़तोड़ कॉल्स

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित पूर्व मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत मामले में एक नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। परिजनों के अनुसार, ट्विशा की मौत के अगले ही दिन उनकी सास गिरिबाला सिंह ने कई ताबड़तोड़ कॉल्स किए। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन कॉल्स में कुछ ज्यूडिशरी से जुड़े लोगों, जज और जस्टिस स्तर के अधिकारियों को भी कॉल किए गए थे। परिजनों ने मांग की है कि सभी कॉल्स की विस्तृत जांच की जाए ताकि इन कॉल्स के पीछे का असली मकसद सामने आ सके। ट्विशा के परिवार ने कई फोन नंबर जारी करते हुए दावा किया है कि ट्विशा की मौत के अगले दिन उसकी सास गिरिबाला सिंह ने कई कॉल्स किए जिनमें से कुछ नंबर ज्यूडिशरी से जुड़े लोगों मसलन जज और जस्टिस स्तर के लोगों के हैं। ट्विशा के परिवार का दावा है कि यह सभी कॉल्स ट्विशा की मौत के अगले दिन किए गए। परिवार का दावा है कि 13 मई को ही सीसीटीवी फुटेज इंस्टॉल करने वाले युवकों को भी गिरिबाला के नंबर से फोन किए गए हैं। परिवार ने मांग की है कि इन सभी फोन नंबर्स की पूरी जांच की जाए। साथ ही इन नंबर्स से जुड़े सारे डिजिटल रिकॉर्ड तुरंत सुरक्षित कर लिए जाएं। इनमें शामिल हैं, कॉल डिटेल्स (सीडीआर), टावर लोकेशन, इंटरनेट उपयोग, ईमेल, एसएमएस, व्हाट्सएप चैट्स और उनका बैकअप, सोशल मीडिया अकाउंट्स, क्लाउड डेटा, लोकेशन हिस्ट्री, कॉल रिकॉर्डिंग्स, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सभी इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य।

परिवार चाहता है कि इन सबकी फॉरेंसिक जांच के लिए सही तरीके से सुरक्षित रखा जाए और किसी भी तरह की छेड़छाड़ न हो सके। परिवार ने मांग करते हुए कहा कि आरोपी पक्ष से जुड़े सभी लोगों उनके रिश्तेदार, सहयोगी, वकील, ड्राइवर, घरेलू स्टाफ और घटना से पहले या बाद में ट्विशा या परिवार के संपर्क में आए किसी भी व्यक्ति के फोन रिकॉर्ड, लोकेशन डेटा और डिजिटल गतिविधियों को भी तुरंत सुरक्षित रखा जाए।

बताते चलें कि ट्विशा शर्मा की मौत के बाद से उसका पति फरार है और पुलिस उसकी खोज कर रही है। हालांकि, अभी समर्थ सिंह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है और पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित कर दिया है। दूसरी ओर, बेटी को न्याय दिलाने के मकसद से परिजनों ने बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से भी मुलाकात की। सीएम ने भरोसा दिलाया है कि न्याय मिलेगा। परिजन सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

प्रिंस से बोले अर्शदीप अब मुझे नाम से बुलाओ

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। ये पहली बार है जब प्रिंस भारतीय टीम से खेलते हुए दिखेंगे। इसी को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मजेदार अंदाज में बधाई दी। प्रिंस अर्शदीप को भैया कहकर बुलाते है। इसी को देखते हुए अर्शदीप ने कहा है कि अब टीम में आ गया है इसीलिए नाम से बुला। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह मजेदार और सहज बातचीत दोनों खिलाड़ियों के बीच की अच्छी केमिस्ट्री और अर्शदीप के परिपक्व रवैये को दर्शाती है, जो एक जूनियर खिलाड़ी को बड़े सम्मान के साथ संबोधित करने के लिए कह रहे हैं। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो गया है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

लखनऊ। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाना रहेगा। सुपरजायंटस इस सत्र में अभी अंतिम स्थान पर है और उसके केवल 8 अंक है। ऐमें उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पंजाब के खेल को बिगाड़ना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स टीम किस भी हाल में ये मैच बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी । अभी पंजाब के अभी 13 अंक हैं और वह अगर ये मैच जीतती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले छह मैचों से मिली हार से उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा टीम पर अतिरिक्त दबाव भी रहेगा। वहीं सुपर जायंट्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है ऐसे में वह निडर होकर आक्रामक अंदाज में उतरेगी जिसको देखते हुए पंजाब को सावधान रहना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन के पास रहेगी। दूसरी ओर सुपरजायंट की बल्लेबाजी मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान प्रिंस यादव , शाहबाज अहमद के पास रहेगी आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 7 मैच हुए हैं जिसमें से लखनऊ सुपर जायंट्स ने 3 जबकि पंजाब किंग्स ने 4 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें जीत के लिए बराबर की दावेदार नजर आती हैं पर जिस प्रकार से सुपर जायंट्स ने हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी हराया था उससे प्रेरित होकर टीम का लक्ष्य इस प्रदर्शन को फिर दोहराना रहेगा। ऐसे में पंजाब को विशेष रुप से सतर्क रहना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं - लखनऊ सुपर जाइंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। पंजाब किंग्स -श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पाइला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर (ईएमएस)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। बाबर के अलावा टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, प्रतिभाशाली नसीम शाह, उपकप्तान शादाब खान और सुर्फयान मोकीम को भी टीम में जगह दी गयी है। ये सभी भी बांग्लादेश सीरीज में शामिल नहीं थे। चयनकर्ताओं ने टीम में तीन नए खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है, जिनमें अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण का मौका मिल सकता है। वहीं बांग्लादेश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, माज सादाकत, मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी, साहिबजादा फरहान और शमायल हुसैन जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। , टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी और नये खिलाड़ी रोहेल नजीर को दी गई है।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद ।

गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम दर्ज हुआ सबसे अधिक छक्के खाने का अनचाहा रिकार्ड

अहमदाबाद ।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में शुरुआत से ही शानदार गेंदबाजी की पर अंतिम तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में अंशुल की गेंदों पर चार छक्के लगे। इसी के साथ ही कंबोज के नाम एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

इस सत्र में अंशुल ने सीएसके की ओर से कुल 14 लीग मैच खेले और हैरानी की बात है कि इन मैचों में उनपर कुल 34 छक्के लगे। इससे पहले, एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड स्पिन राशिद खान के नाम था, जिनके खिलाफ आईपीएल 2025 में 33 छक्के लगे थे।

अंशुल ने हालांकि इस सत्र में अच्छी शुरुआत करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में बनाये रखा। इसी कारण वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शामिल रहे। सटीक यॉर्कर और विकेट लेने की क्षमता से वह सीएसके के मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे हैं।

उनकी खराब फॉर्म का एक सबसे बड़ा उदाहरण सीएसके के 12वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ देखने को मिला था। उस मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने अंशुल के खिलाफ आठ छक्के लगाए थे, जो एक आईपीएल मैच में किसी भी गेंदबाज द्वारा खाए गए सबसे ज़्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।

छक्कों के इस रिकॉर्ड के अलावा, अंशुल ने आईपीएल 2026 में कुल 530 रन भी दिये। इससे वह इस साल के आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालांकि, यह आईपीएल के एक सीज़न में सबसे ज़्यादा रन लुटाने का ऑल-टाइम रिकॉर्ड नहीं है। वह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2024 के 16 मैचों में कुल 566 रन दिए थे। इस सूची में उनके बाद तुषार देशपांडे के नाम है। तुषार ने आईपीएल 2023 में 564 रन दिये जबकि राशिद खान ने 2023 में 552 रन दिये थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर की तस्वीर रुसी इंफ्लुएंसर के साथ देखकर प्रशंसक हुए हैरान

मुम्बई ।

आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का प्रदर्शन अच्छी शुरुआत के बाद खराब हुआ है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7 में से 6 मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्रदर्शन खराब हुआ तो उसने रुकने का नाम नहीं लिया। उसे पिछले 6 लगातार मैच में लगातार हार मिली है। जिससे अब टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके लिए टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना है। वहीं इसी बीच कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर एक पेज चलाने वाली लड़की के साथ देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं और जानना चाहते हैं कि ये लड़की कौन है। ये तस्वीर धर्मशाला में ली गई है, जहां अपने पिछले मुकाबले में 17 मई को पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला था। वहीं ये लड़की इंडोस्वेटिका नाम से सोशल मीडिया पेज चलाती है और एक रूसी ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लुएंसर है। उसका असली नाम स्वेतलाना है और वह भारत में ही रहती हैं और भारतीय संस्कृति, ट्रैवल, खाने-पीने, रोजमर्रा की जिंदगी और ह्यूमर पर वीडियो बनाती हैं। उसके पेज का नाम इंडोस्वेटिका÷ है। वह रूस और भारत के बीच तुलना वाले विषय जैसे चाय, कीमतें, संस्कृति, यात्रा पर बनाती हैं। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखती हैं। उसने धर्मशाला में कई वीडियो बनाए हैं। इसको उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखा जा सकता है। स्वेता की पेज पर 5 हजार फॉलोअर्स हैं। इसलिए श्रेयस की तस्वरी ऐसा लगता है कि यह सिर्फ एक प्रशंसक के तौर पर ली गई तस्वीर है हालांकि प्रशंसक इस तस्वीर को देखकर उत्साहित जरुर हैं।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बइ।

पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहाली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपनरे काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे। इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए। गौरतब है कि इससे पहले शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उन्हें काले रंग के कारण भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। इसी कारण से उन्होंने परेशान होकर हाल में कमेंट्री कसे भी संन्यास ले लिया था। शिवरामकृष्णन ने अपने करियर में साल 1983 से 1987 के बीच भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट और 16 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच खेले, जिसमें कुल 41 विकेट हासिल किए। बाद में वह दशक तक कमेंट्री करते रहे। शिवरामकृष्णन ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने अपने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है और अब वे इसके आदी हो चुके हैं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई । देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं है कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं है बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिये। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है।

अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि बिहार ने देश को कई बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं, लेकिन फिर भी राज्य को क्रिकेट में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसका वह अधिकारी है। उन्होंने बिहार में मौजूद क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाने के लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के कुछ असाधारण खिलाड़ियों का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पटना में जन्मे ईशान किशन ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। समस्तीपुर के युवा वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि गोपालगंज के साकिब हुसैन अपनी शानदार गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच रहे हैं। अग्रवाल ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को बिहार में मौजूद असीमित प्रतिभा का प्रमाण बताया, जो केवल सही अवसर और मंच का इंतजार कर रही है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि बिहार के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर बिहार के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए, तो यहां की टीम दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक बन सकती है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

केंद्र सरकार को विशेषज्ञ कमेटी बनाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये। उसी के बाद कोर्ट का ये फैसला आया है।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर ।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं अश्मिता चालिहा मलेशिया मास्टर्स में भारत की चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर।

भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अश्मिता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन केयर्सफेल्ड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अश्मिता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अश्मिता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गईं। भारतीय युवा खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली।

23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबरदस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अश्मिता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अश्मिता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रीक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर अश्मिता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया।

आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त बना ली। अश्मिता संभल नहीं पाईं, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

शराब छोड़ने के बाद बदली मेरी जिंदगी चहल

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजरें हैं। इस दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी उथल-पुथल रही है। इसी को लेकर चहल ने खुलासा किया है। कि शीराब छोड़ने के उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है ओर वह पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि शराब छोड़ने का फैसला उनके लिए सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ है। इसके कारण वह अवसाद से उबरने में भी सफल रहे हैं। । चहल ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। शराब को अपनी जिंदगी से हटाने के बाद मैं कह सकता हूं कि मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव ने उन्हें जीवन में और अधिक स्पष्टता दी है। अब मुझे अपनी लाइफ में क्या चल रहा है, कौन मेरे साथ है और कौन नहीं, यह सब और ज्यादा साफ समझ आता है। पहले मैं इन सब चीजों के बारे में बहुत सोचता था, लेकिन अब मैं अपने पर ध्यान देता हूं। साथ ही कहा कि यह फैसला उन्होंने तब लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि शराब उनके लिए सही नहीं थी और वह लिमिट से बाहर जा चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त वह अवसाद में थे और उनकी मानसिक सेहमत भी ठीक नहीं थी। चहल ने माना है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें वापस जाकर इस समस्या को ठीक करना चाहिए।शराब छोड़ने के बाद अब वह गोल्फ और गो-कार्टिंग जैसे खेलों में भी समय बिताते हैं। आईपीएल के वर्तमान सत्र में चहल ने पंजाब किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13 मैचों में 10 विकेट लिए हैं।

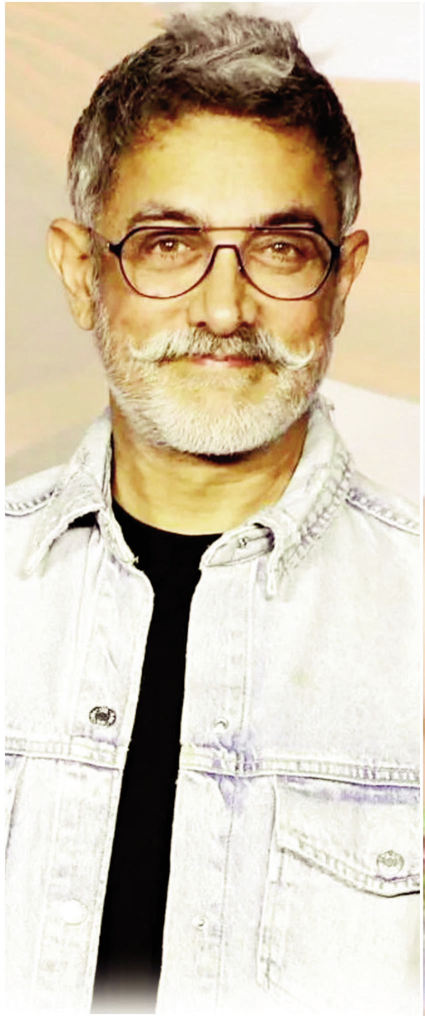

घोस्ट डायरेक्टिंग पर बोले आमिर खान

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है। हाल ही में स्क्रीन एकेडमी इवेंट के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं।

आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूं। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूं तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा।

आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं।

आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियां पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।

इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा।

शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात करते हुए बताया, ''इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।' वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।' शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है

'टॉक्सिक' पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी, फिर इसे जून के लिए शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब इसकी कोई फाइनल रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है। इसपर अब तारा सुतारिया ने भी अपने विचार रखे हैं।

यश स्टारर इस पैन-इंडिया फिल्म को लेकर बताया गया था कि मिडल ईस्ट में चल रहे हालात की वजह से रिलीज प्लान में बदलाव करना पड़ा। बाद में यह भी साफ किया गया कि फिल्म पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन टीम अभी इसकी ग्लोबल रिलीज और बड़े डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स को फाइनल करने में लगी हुई है, ताकि फिल्म को दुनिया भर में सही तरीके से रिलीज किया जा सके। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने बातचीत में इस देरी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस पूरी स्थिति को बहुत समझदारी से देखती हैं।

तारा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बहुत पेशेंस रखती हूं। मैं ये नहीं सोचती कि अगर फिल्म तुरंत रिलीज नहीं हुई तो क्या होगा। एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है।' उन्होंने आगे कहा कि कई बार बड़े फैसलों के पीछे सही वजहें होती हैं, जिन्हें प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स बेहतर समझते हैं। तारा ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की एक्साइटमेंट को समझती हैं और खुद भी फिल्म का इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि यह इंतजार फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होगा और इसे ग्लोबली बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा।

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे।

असली फेमिनिज्म वही, जहां पुरुष अपनी महिला को पहचान बनाने का पूरा मौका दे

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबिना दिलैक ने हाल ही में नारीवाद और रिश्तों में पुरुष व महिला ऊर्जा के संतुलन पर अपनी राय रखी। उनका कहना है कि असली नारीवाद (फेमिनिज्म) तभी संभव है, जब एक पुरुष अपनी साथी को अपनी पहचान बनाने और आगे बढ़ने का पूरा मौका दे।

खास बातचीत में रुबिना ने कहा, 'जब तक कोई पुरुष अपनी महिला की पहचान को खिलने का मौका नहीं देता, तब तक हम फेमिनिज़्म के बारे में चाहे कितनी भी जोर से क्यों न बात कर लें, यह मुमकिन नहीं है।' उन्होंने इसे आध्यात्मिक नजरिए से भी समझाया। रुबिना ने कहा कि जैसे शक्ति और शिव की ऊर्जा मिलकर संतुलन बनाती है, वैसे ही रिश्तों में भी पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बराबर अहम होती हैं। जब शक्ति को अपनी ताकत दिखानी होती है, तब वह सामने आती है और जब शिव को अपनी पुरुष ऊर्जा दिखानी होती है, तब वह नजर आती है। यही दोनों शक्तियों का खूबसूरत संतुलन है।

रुबिना ने आगे बताया कि रिश्तों में समय के साथ कई बदलाव आते हैं। कभी एक साथी अपने सपनों को पूरा करने में लगा होता है, तो दूसरा उसका साथ देता है। उन्होंने अपने पति अभिनव शुक्ला का उदाहरण देते हुए कहा कि जिंदगी में कुछ समय ऐसा होगा जब अभिनव अपने काम और सपनों पर ध्यान देंगे और वह उनका साथ देंगी। वहीं कुछ समय ऐसा भी आएगा जब वह अपने सपनों को पूरा करेंगी और अभिनव उनका साथ करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब आप इस बात को समझते हैं, तो इससे परिवार के लिए एक मजबूत वैल्यू सिस्टम बनता है।' रुबिना जल्द ही टीवी के चर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आने वाली हैं। शो की शूटिंग के लिए वह जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन रवाना होंगी। रुबिना ने यह भी बताया कि अपनी जुड़वां बेटियों से 40 दिनों तक दूर रहना उनके लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा कि बच्चों से दूर रहकर उनके गले लगने और प्यार को मिस करना आसान नहीं होगा।

मैं नेपो किड नहीं हूं

कभी बॉलिवुड सिलेब्स के साथ फोटो खिंचवाकर चर्चा में आए ओरहान अवात्रामणि उर्फ ओरी आज खुद एक सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं। वहीं, अब जल्द ही वह टीवी के मशहूर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में खतरों से खेलते हुए भी दिखेंगे। ऐसे में, जब हमने ओरी से इस शो में भागीदारी की वजह जाननी चाही तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। ओरी का कहना है कि बहुत समय से उन्हें खुशी, दुख, दर्द, भय कोई भी इमोशन महसूस नहीं होता, इसलिए उन्होंने इस शो को हां कहा ताकि वे शो के चुनौतीपूर्ण टास्क के दौरान वापस जिंदा महसूस कर सकें।

काफी समय से बहुत डिप्रेशन में हूं

बकौल ओरी, 'मैं जिस तरह की जिंदगी जीता हूं, उसमें मैं हर तरह से अहसास के प्रति डीसेंसिटाइज यानी संवेदनहीन हो चुका हूं। मैं चाहे नई गाड़ी ले लूं, बैग ले लूं, हॉलिडे पर चला जाऊं, मुझे कोई भी चीज एक्साइट नहीं करती। मैंने खतरों के खिलाड़ी 15 के लिए इसलिए हां कहा, क्योंकि मैं जिंदगी को महसूस करना चाहता हूं। मैं फिर जिंदा महसूस करना चाहता हूं। मैं काफी समय से बहुत ही डिप्रेस्ड (अवसादग्रस्त) रहा हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है, जब मैं बाहर जाता हूं और मेरे इतने सारे फैंस मुझे सिर्फ देखकर इतने उत्साहित होते हैं। मतलब मेरे जैसे खुद अवसाद में जी रहे इंसान के लिए यह विडंबना ही है। लेकिन सोशल मीडिया पर तो ओरी बहुत खुशमिजाज लगते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'आपको दुनिया के सामने अपना बेस्ड साइड ही दिखाना पड़ता है। आप वहां ऐसी पिक्चर्स नहीं पोस्ट कर सकते जिसमें खुश न हों पर मैंने बहुत समय से कुछ महसूस नहीं किया है।'

खुशी, दुख, उत्साह कुछ महसूस नहीं होता

क्या ओरी को जिंदगी में किसी चीज से डर लगता है? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'नहीं, वही तो मैं कह रहा हूं कि मुझे याद नहीं आता कि आखिरी बार कब मैंने कोई भी फीलिंग महसूस किया था। खुशी, गुस्सा, दुख, उत्साह, कोई भी अहसास। कई बार मुझे खुद को याद दिलाना पड़ता है कि मुझे कुछ महसूस करना है। इसके लिए मुझे खुद पर बहुत जोर डालना पड़ता है।

सांस भी लेता हूं तो लोग जज करते हैं

ओरी को सोशल मीडिया पर पॉपुलैरिटी और ट्रोलिंग दोनों भरपूर मिली है। उन्हें काफी जज भी किया जाता है। वह कहते हैं, 'मुझे दोनों ही चीजों से फर्क नहीं पड़ता। मैं कोई नेपो किड नहीं हूं। मैं फेमस पैदा नहीं हुआ हूं। मैंने अपनी प्रसिद्धि कमाई है तो अगर मैं पहले इसके बिना रहा हूं तो बाद में भी रह सकता हूं। रही बात जजमेंट की तो लोगों ने मुझे हर वक्त जज किया है, इसलिए मैं उसके प्रति भी पूरी तरह डीसेंसिटाइज हो चुका हूं। मुझे फर्क ही नहीं पड़ता क्योंकि मैं कुछ भी करूं लोग मुझे जज ही करते हैं। मैं घर से बाहर निकलता हूं और जज होता हूं।

मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है

पिछले दिनों ओरी का उनकी खास दोस्त सारा अली खान के साथ विवाद भी सुर्खियों में रहा। इस बारे में ओरी बताते हैं, 'मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है। मेरा विवाद उसकी मां अमृता सिंह के साथ है, मगर मैं सारा के साथ दोस्त होने का दिखावा नहीं कर सकता, जबकि उसकी मां ने मेरे साथ इतना गलत किया। मैंने यही कहा है कि जो अमृता ने मेरे साथ किया, वो ठीक नहीं था और जब तक वो माफी नहीं मांगती, मैं सारा अली खान के साथ दोस्ती का दिखावा नहीं कर सकता। वरना सारा के साथ मेरी कोई बैर नहीं थी। उन्होंने अभी तक कोई माफी नहीं मांगी है। मैं अब भी इंतजार कर रहा हूं।'

यह करें जब बच्चे दें पलटकर जवाब

कई बार बच्चे माता-पिता की बातों पर ठीक से जवाब नहीं देते हैं या फिर चिल्लाकर जवाब देते हैं। उनके ऐसे तौर-तरीकों से माता-पिता का आहत होना स्वाभाविक है लेकिन माता-पिता को ऐसे समय अपने बच्चों को समझना चाहिए। उनका दिल टटोलना चाहिए और उनके साथ मित्र की तरह पेश आना चाहिए। अगर बच्चों के उग्र व्यवहार को माता-पिता सही दिशा नहीं देते हैं तो बच्चे लगातार उसी तरह का व्यवहार दोहराते हैं। आइए जानें उन तरीकों को जिनके जरिए बच्चों के व्यवहार को संतुलित किया जा सकता है।

उसकी बात सुनें

जब भी बच्चा पलटकर जवाब दे तो माता-पिता को अपनी प्रतिक्रिया बहुत सावधानी से देना चाहिए क्योंकि यह बच्चे के साथ उनके संबंध को खराब कर सकती है। जब बच्चा गुस्से में है तब उसके प्रति अधिक उदार बनने की जरूरत है। ऐसे समय अगर आप सख्ती से पेश आएंगे तो बच्चे को लगेगा कि आप उसे कुछ भी बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं। इसके बजाय उसके मन में जो भी बात है उसे निकल जाने दें।

अगर माता-पिता बच्चे से कहते हैं कि 'हम तुम्हारे माता-पिता हैं और तुम इस तरह से कैसे बात कर सकते हो?' तो यह बात बच्चे को और चिढ़ाने वाली ही होगी। अगर आप ऐसे समय बच्चे से कह सकें कि इस विषय पर आप उसके साथ बाद में बात करेंगे तो बेहतर होगा।

बच्चे की परेशानी जानें

बच्चे के चिढ़ने पर माता-पिता का गुस्सा करना जायज नहीं होगा बल्कि उन्हें बच्चे के चिढ़ने की वजह जानने की कोशिश करना चाहिए। हो सकता है कि बच्चा इसलिए गुस्सा कर रहा हो क्योंकि वह स्कूल में खुद को ठीक स्थितियों में नहीं पा रहा हो या फिर वह अपने दोस्तों के साथ ठीक तरह की स्थिति में न हो। स्कूल के होमवर्क का दबाव भी उसे चिढ़ा सकता है। जब भी वह पलटकर जवाब दे तो शांति के साथ उससे पूछिए कि आज उसके साथ क्या हुआ। वह बहुत सहजता के साथ आपके साथ बातचीत करेगा।

बातचीत से समझाएं

जब भी बच्चा तेज आवाज में आपको पलटकर जवाब दे तो उसे बहुत शांति के साथ समझाएं कि उसका इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। बच्चे अक्सर अपने दोस्तों को देखकर इस तरह का व्यवहार करना सीखते हैं और अगर उन्हें समझाया जाए कि इस तरह का व्यवहार के कारण उन्हें कोई पसंद नहीं करेगा तो वे इस तरह का व्यवहार दुबारा नहीं करेंगे।

वह आपसे ही सीखता है

अगर आप बच्चों को कुछ सिखाना चाहते हैं तो उसके लिए आपको खुद मॉडल बनना होगा। अगर माता-पिता आपस में ठीक से बातचीत नहीं करते हैं या उपयुक्त संबोधनों का उपयोग नहीं करते हैं या एकदूसरे से ऊंची आवाज में बात करते हैं तो बच्चे भी उन चीजों को सीखते हैं। इसलिए अगर बच्चे को उपयुक्त व्यवहार सिखाना है तो माता-पिता को अच्छा व्यवहार करना होगा।

उसकी तारीफ करें

जब भी बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं तो उसकी तारीफ करने से न चूकें। ऐसा होने पर अगली बार वे उस तरह का व्यवहार करने को प्रेरित होंगे।

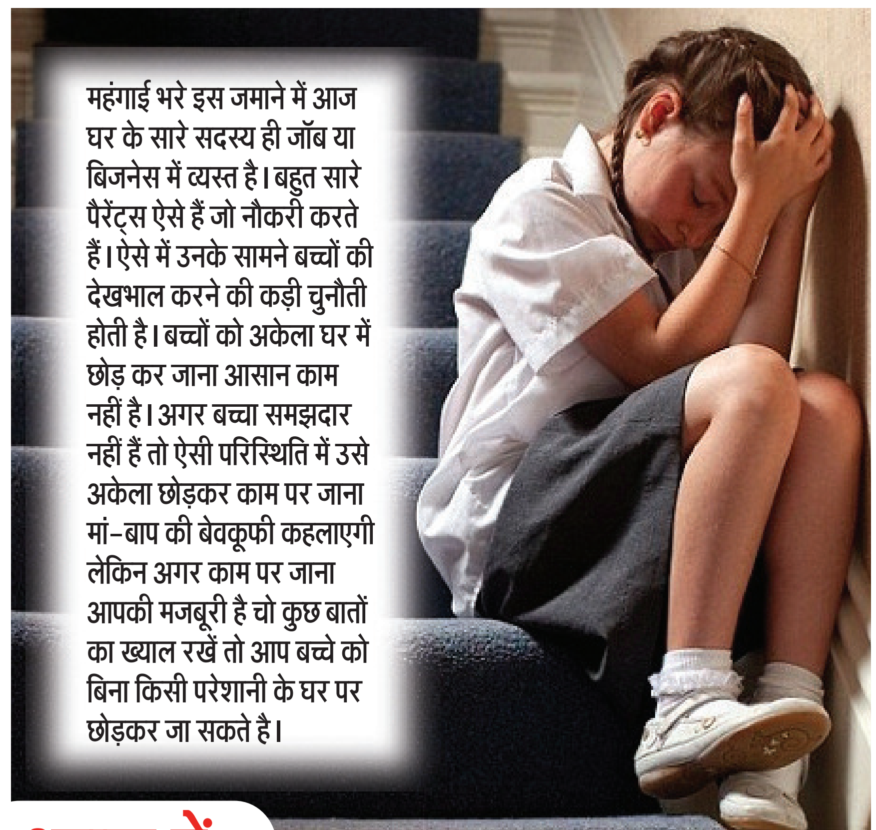

महंगाई भरे इस जमाने में आज घर के सारे सदस्य ही जॉब या बिजनेस में व्यस्त है। बहुत सारे पैरेंट्स ऐसे हैं जो नौकरी करते हैं। ऐसे में उनके सामने बच्चों की देखभाल करने की कड़ी चुनौती होती है। बच्चों को अकेला घर में छोड़ कर जाना आसान काम नहीं है। अगर बच्चा समझदार नहीं हैं तो ऐसी परिस्थिति में उसे अकेला छोड़कर काम पर जाना मां-बाप की बेवकूफी कहलाएगी लेकिन अगर काम पर जाना आपकी मजबूरी है चो कुछ बातों का ख्याल रखें तो आप बच्चे को बिना किसी परेशानी के घर पर छोड़कर जा सकते है।

ध्यान दें

बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जा रहे हैं!

1. बच्चे के पास कोई मोबाइल जरूर छोड़ें ताकि वह समय-समय पर आप से बात करता रहे और आप भी वक्त-वक्त पर उसकी खोज-खबर लेते रहें।
2. बच्चे को कुछ इमरजैंसी नंबर देकर जाएं ताकि कोई अनहोनी होने पर वह मदद बुला सके।
3. बच्चे को घर के किसी एक कोने या कमरे में बंद मत करें। वरना वह मुश्किल के समय में वहां से बाहर नहीं निकल पाएगा।

4. बच्चे को अपने सामने दरवाजा बंद करना और खोलना सिखाएं।
5. बच्चे के खाने-पीने की चीजें डाइनिंग टेबल पर ही रखकर जाएं ताकि भूख लगने कुछ खा सके।
6. उन्हें कोई न कोई क्रिएटिव काम देकर जाएं, जिससे उसका समय भी जल्दी बीत जाए और वह कुछ ऐसा नहीं करेगा जो उसके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

बच्चों को सर्दी-खांसी से बचाने के घरेलू उपचार

हर साल सैकड़ों नवजात एवं छोटे बच्चे, विशेष कर कमजोर इम्यून सिस्टम की कमजोरी के कारण, सर्दी-खांसी का शिकार होते हैं। बच्चे इन्फेक्टेड हवा या किसी इन्फेक्टेड व्यक्ति की समीपता के कारण, विभिन्न प्रकार के इन्फैक्शन फैलाने वाले जर्म के संपर्क में आ जाते हैं। बीमार बच्चे की देखरेख, माँ-बाप समान रूप से मुश्किल हो सकती है। अमेरिकन बाल-रोग अकादमी, छः वर्ष से कम आयु के बच्चों को सर्दी-खांसी की दवाईयां ना देने की सलाह देती है क्योंकि माना जाता है कि बच्चों के लिए दवाईयों के प्रयोग से घातक दुष्परिणाम हो सकते हैं। इस कंडीशन में प्राकृतिक तरीकों से ही उपचार करना श्रेष्ठ है। घरेलू उपचार बच्चों की सर्दी-खांसी में राहत पहुंचा कर उनके इम्यून सिस्टम को शक्तिशाली बनाते हैं।

बच्चों को सर्दी-खांसी में कारगर नौ टॉप ट्रीटमेंट:

1. स्पंज-स्नान

छोटे बच्चों का बुखार कम करने एवं शरीर के तापमान को ठीक करने हेतु, उन्हें दिन में दो से तीन बार ठन्डे पानी से अथवा स्पंज-स्नान करवाएं । स्पंज को कमरे के तापमान के बराबर-तापमान वाले पानी में भिगोकर उसका अतिरिक्त पानी निचोड़ लें । और फिर बच्चे के तापमान को कम करने के लिए उसके हाथ-पैर, कांख एवं उसके कमर से नीचे के हिस्से को पोंछे । एक अन्य विकल्प के तहत आप बच्चे के माथे पर गीली पट्टियां भी रख सकते हैं । गीली पट्टियों को कुछ-एक मिनटों के अंतराल पर बदलते रहें ।

2. नींबू

एक कढाई में चार-नींबू का रस, उनके छिलके और एक चम्मच अदरक की फांके लें । इसमें पानी डालें। इसे ढक कर 10 मिनट तक काढें । इस प्रकार तैयार पानी को अलग कर लें। अब इस तरल पेय में उतनी ही मात्रा में गर्म-पानी तथा स्वाद के लिए शहद मिलाएं। बच्चे को इस प्रकार तैयार गर्म नींबू-पानी दिन में दो-बार पीने को दें।

3. शहद

एक-वर्ष या फिर उससे कम आयु के बच्चों के लिए, जोकि सर्दी-खांसी से पीड़ति हों, शहद एक सुरक्षित उपचार है। दो चम्मच कच्चा शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें । हर, कुछ एक घंटों के अंतराल के बाद राहत दिलाने के लिए पिलायें । एक गिलास गर्म-दूध, शहद मिलाकर पीने से सूखी खांसी एवं सीने के दर्द में राहत मिलती है।

4. अदरक

छः कप पानी में, आधा कप बारीक कटे हुए अदरक की फांके और दालचीनी के दो छोटे टुकड़ों को 20 मिनट तक धीमी आंच पर पकायें। फिर इसे छानकर चीनी या शहद मिलाकर दिन में कई बार बच्चे को पीने के लिए दें । एक वर्ष से कम आयु के बच्चों को बराबर मात्रा में गर्म-पानी मिलाकर पिलायें।

5. सेब का सिरका

एक हिस्सा कच्चा, बिना छाना हुआ सेब का सिरका और दो हिस्से ठंडा पानी मिलाकर उसमें दो पट्टियां भिगोयें। फिर उन्हें निचोड़कर एक को माथे पर और एक को पेट पर रखें। दस- दस मिनट के बाद पट्टियां बदलते रहें। प्रक्रिया को बुखार कम होने तक दोहरायें।

6.ब्रेस्ट फीड

ब्रेस्ट फीड बच्चों के लिए अति महत्वपूर्ण है, खासकर जब वे बीमार हों। जोकि उन्हें संक्रमण से लड़ने और शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता करते हैं। छः माह से कम आयु के शिशुओं को, सर्दी-खांसी से निजात दिलवाने के लिए, स्तनपान कराना चाहिए।

7. तरल पदार्थ

सुनिश्चित करें की आपके बच्चे को भरपूर तरल-पदार्थ मिलें। अन्यथा वह निर्जलीकरण का शिकार हो सकता है, जिससे समस्या अधिक गंभीर हो सकती है । शरीर में पानी का उचित स्तर, मल - निकास को पतला करके आपके बच्चे के शरीर से कीटाणुओं का निकास करने में और बंद-नाक,छाती जमने आदि की समस्या से बचाता है।

इस मॉडर्न जमाने में लैपटॉप, स्मार्ट फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के साथ बच्चों का सारा दिन व्यस्त रहना तो आप सी बात है। यहां तक की रातभर भी इन सब में व्यस्त रहते हैं। इन सबका उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

देर रात जगने वाले बच्चे हो जाते हैं इस बीमारी का शिकार!

हाल ही में एक शोध में यह बात सामने आई है कि जो बच्चे देर रात तक जागते हैं, वह मोटापे का शिकार हो जाते हैं। उनका वजन में ही बढ़ना शुरू हो जाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-बर्कले में काम करने वाले बाल-विशेषज्ञ लॉरेन असरनाउ की अध्यक्षता में यह शोध किया गया। इसके लिए 3,300 से भी अधिक किशोरों एवं वयस्कों पर शोध किया गया।

शोध के दौरान किशोर अवस्था से लेकर उनके व्यस्क होने तक उनमें होने वाले शारीरिक बदलाव का बड़ी बारीकी से अध्य्यन किया गया। ये सारे आकंडे भी जुटाए गए कि इस अवधि के दौरान उन्होंने कितने घंटे की नींद ली है। उन्होंने पाया कि रात्रि के दौरान जब उन्होंने नींद नहीं ली तो उनकी बॉडी मास इन्डेक्स 2.1 प्वॉइंट बढ़ गया। इसी तरह उनका मोटापा 5 साल में बढ़ता ही गया। अधिकांश किशोर रात में 9 घंटे की सामान्य नींद भी नहीं लेते हैं। इस कारण स्कूल में उन्हें जगे रहने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जो किशोर समय के अनुसार सोते रहे उनका शरीर सुडौल बना रहा है।

बच्चे का वजन बढ़ाना है तो उन्हें खिलाएं ये आहार

अक्सर बच्चों को लेकर माता-पिता टेंशन में रहते हैं। बच्चों को पौष्टिक आहार न खाना, पढ़ाई और उनका जरूरत से ज्यादा मोटा और पतला होना भी उन्हें परेशान करता है। डब्लूएचओ ने भी हाल ही में घोषित किया है कि आजकल बच्चों का खानपान सही न होने की वजह से उनका वजन उम्र के हिसाब से सही नहीं होता है। बच्चों के सही वजन में भोजन सबसे ज्यादा सहायक होता है लेकिन आजकल के बच्चे खाने के मामले में बहुत नखरीले और अपनी मर्जी के मालिक होते है। ऐसे में बच्चों को क्या खिलाया जाएं कि वह स्वस्थ बने रहें और उनका वजन भी संतुलित रहे।

1. **मलाई सहित दूध:** अगर बच्चे का वजन कम है तो उसे मलाई वाला दूध पिलाएं। अगर उसे पीने में अच्छा नहीं लगता है तो शेक बनाकर दें ताकि उसके शरीर में मलाई पहुंच जाए।
2. **घी और मक्खन:** बच्चे को घी और मक्खन खिलाएं। इसे दाल में डालकर दें तो सबसे ज्यादा असर होगा।
3. **सूप, सैंडविच, खीर और हलवा:** ये चारों चीजें बच्चे के लिए फायदेमंद हैं। बस ध्यान रहें सारी चीजें सही मात्रा में ही बच्चों को दें।
4. **आलू और अंडा:** अंडा और आलू, दोनों में ताकत होती है। एक में प्रोटीन काफी ज्यादा होता है दूसरे में कार्बोहाईड्रेट। ऐसे में आप बच्चे को ये दोनों ही उबालकर खिला सकती हैं।
5. **स्प्राउट:** बच्चे को स्प्राउट खिलाएं, इससे उसका वजन सही होगा। अगर बच्चा बहुत छोटा है तो उसे दाल का पानी पिलाएं।
6. **दिनचर्या सही रखें:** बच्चे को स्वस्थ बनाना है तो उसकी दिनचर्या पर ध्यान दें। सही समय पर उसे आहार खिलाएं।

कुछ हटकर होनी चाहिए बर्थ डे पार्टी

ज्यादातर परिवारों में बच्चों का बर्थ डे मनाने से थोड़ा संकोच किया जाता है और परिवार वाले मिलकर ही बच्चे का जन्मदिन मना लेते है। वैसे तो हर माता-पिता चाहते है कि उनके बच्चे का जन्मदिन कुछ इस ढंग से मनाया जाएं ताकि बच्चा अपना जन्मदिन कभी भूल न सकें। बच्चों को सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है जब उसके बर्थ डे पर पार्टी का आयोजन किया जाए और उसके दोस्तों को निमंत्रण दिया जाए , इसलिए याद रहे बच्चों को बर्थ डे मनाने से बहुत खुशी मिलती है। वे अपने आपको किसी से कम नहीं समझते।

आमंत्रण पत्र

आप कम्प्यूटर से रंग-बिरंगे डिज़ाइन के आमंत्रण पत्र बना लें । अब बच्चे के बर्थ डे के आमंत्रण पत्र उन लोगों के घर भेजें, जिनके बच्चों को आप बुलाना चाहती हैं।

बर्थ डे की शॉपिंग

बर्थ डे से तीन दिन पहले बाज़ार जाएं और अपनी डायरी पर लिखे अनुसार शॉपिंग करें। बच्चे की खुशी के लिए आप केक का चयन बच्चे से पूछ कर भी कर सकती हैं।

स्कूल में बर्थ डे

अक्सर स्कूलों में बच्चों को बर्थ डे वाले दिन बर्थ डे ड्रैस डालने की इजाज़त होती है। आप इस दिन बच्चे को स्पेशल तैयार करें और खुशी से सामान देकर स्कूल भेजें। स्कूल में अध्यापक से इजाज़त लेकर सब बच्चों को गिफ्ट बांटना चाहिए।

घर में बर्थडे पार्टी

जिस कमरे में केक काटने वाले हैं उसे कुछ बढिय़ा से सजाएं । उस में हैप्पी बर्थ डे का बैनर भी लगाएं और केक रखने के लिए टेबल भी सजाएं। केक से थोड़ा हट के चमकीली से भरे बड़े गुब्बारे को लटकाएं ताकि जब आप उसे फोडें तो उसकी सुनहर केक पर न गिरे।

बर्थ डे गेम्ज़

अपने बच्चे के बर्थडे पर आप बच्चों से छोटी-छोटी गेम्स करवा सकती हैं। आप कई किस्म के खेल सोच सकती हैं जैसे आप एक टैडी बीयर ले लें और एक गोल दायरे में बच्चों को बिठा लें । कोई अभिभावक पीठ करके म्यूजिक लगाए। जब तक म्यूजिक चलता रहे बच्चे उस टैडी बीयर को एक तरफ से एक-दूसरे के आगे दें। जहां पर म्यूजिक रुके आप देखें, जिस बच्चे के हाथ में टैडी बीयर है उस बच्चे को कुछ सुनाने को कहें। ऐसा करने से बच्चों को खूब आनन्द आएगा।

बर्थडे के पश्चात

आप चाहें तो डैकोरेशन का सारा सामान उतार कर ठीक-ठाक ढंग से रख लें। उसी में कुछ और डाल कर आप अगले बच्चे का बर्थडे भी मना सकते हैं।